

गोवायार्ड दर्शन

अप्रैल – सितंबर 2024



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड
GOA SHIPYARD LTD

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

शिपयार्डों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादक शिपयार्ड

संदर्शन


YD-1280
(NGOPV)






PLATE CUTTING CEREMONY OF NGOPVs


GOA SHIPYARD LTD
PLATE CUTTING CEREMONY


PLATE CUTTING CEREMONY OF NGOPVs
27th MARCH 2024

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन



प्रिय साथियों,

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु प्रतिबद्ध है और आत्मनिर्भरता की दिशा में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। गोवा शिपयार्ड अत्याधुनिक एवं उन्नत तकनीक द्वारा विनिर्मित जहाजों के माध्यम से राष्ट्र की समुद्री सुरक्षा को सुदृढ़ करने में पूर्णरुपेण समर्पित है। साथ ही भारत सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं में एक प्रतिबद्ध भागीदार बनकर राष्ट्रहित में अपना योगदान दे रहा है। समाज के प्रति सद्भावना से प्रेरित प्रयासों द्वारा देश को विकास की ऊंचाइयों तक ले जाने की परंपराओं का निर्वहन राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी कर्त्तव्यनिष्ठा को दर्शाता है।

राजभाषा हिंदी हमारी इन परंपराओं को प्रगति के पथ पर और समृद्ध बनाती है। सभी भारतीय भाषाओं में केवल हिंदी ही एक ऐसी भाषा है, जो जन-जन की भाषा के रूप में प्रयोग की जाती है। अत: राजभाषा हिंदी की प्रगति हेतु सृजनशीलता के साथ ही इसका रचनात्मक प्रयोग भी बेहद जरूरी है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने विभिन्न प्रयासों द्वारा इस दिशा में निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' हमारे इन प्रयासों की एक झलक है।

यह बड़ी प्रसन्नता का विषय है कि 'गोवायार्ड दर्शन' का 22वां अंक प्रकाशित किया जा रहा है। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी रचनाओं हेतु तथा राजभाषा अनुभाग की पूरी टीम को उनके प्रयासों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निदेशक की कलम से



हमारा देश भिन्न-भिन्न परंपराओं और अलग-अलग भाषाओं का देश है। राजभाषा हिंदी हमारी सांस्कृतिक विविधता में एकता की मिसाल है। गोवा शिपयार्ड में देश के विभिन्न प्रांतों के लोग कार्य करते हैं और उन्हें एकता के सूत्र में बांधे रखने का काम हिंदी भाषा कर रही है। हमारी सामाजिक संस्कृति के सभी पहलुओं की अभिव्यक्ति के लिए हिंदी भाषा सबसे सरल माध्यम है। राजभाषा हिंदी भारतीयता की पहचान है और हमें इस बात पर गर्व है कि हिंदी के माध्यम से हमारे समाज को एक पहचान मिली है।

हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य गोवा शिपयार्ड की विभिन्न गतिविधियों को आप तक पहुंचाना एवं यार्ड के कर्मचारियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को उजागर कर हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है। राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की स्थिति के साथ-साथ यार्ड के क्रिया-कलापों की झलक, विभिन्न विषयों पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारी भी उपलब्ध करायी जा रही है।

बड़े हर्ष का विषय है कि हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का 22वां अंक प्रकाशित किया जा रहा है। मैं सभी कार्मिकों एवं राजभाषा अनुभाग को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ।

'गोवायार्ड दर्शन' के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं ।

कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन
निदेशक (नियोप एवं व्यावि)

दो शब्द



राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न स्तरों पर हिंदी के प्रचार प्रसार हेतु किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों में हम सबका सहयोग बेहद जरुरी है। इस उद्देश्य को सार्थक बनाने के लिए हम सब भली भांति सक्षम है और हमें इस दिशा में समर्पण की भावना से कार्य करने की आवश्यकता है । हिंदी के प्रति हमें संवेदनशील बनना होगा ताकि हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में हमारा संवाद निरंतर रूप से स्थापित रहे।

हिंदी बहुत ही सरल, सहज और स्वाभाविक भाषा है। इसे पढ़ना, लिखना और समझना बिल्कुल आसान है। सरकारी तंत्र में इसका अधिक-से-अधिक प्रयोग कर इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग प्रदान करें तथा लोगों को हिंदी के प्रति संवेदनशील और सक्रिय बनाएं। हमारे कार्यालय में राजभाषा हिंदी का एक वातावरण तैयार किया जाए, जिससे संगठन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपना कार्यालयीन कामकाज हिंदी में आसानी से कर सकें। आप सभी से मेरा अनुरोध है कि सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करें और दूसरों को भी इस कार्य के लिए प्रेरित करें।

राजभाषा अनुभाग द्वारा मेहनत और समर्पण से 'गोवायार्ड दर्शन' के 22वें अंक के माध्यम से हमारे प्रयासों की एक झलक आप लोगों के समक्ष पहुंचाने की कोशिश है।

'गोवायार्ड दर्शन' के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं ।

शशिकांत शिवाजी कांबले
विभाग प्रमुख (मा सं एवं प्रशा)

संपादकीय



संसार की समस्त भाषाओं में राजभाषा हिंदी का एक महत्वपूर्ण स्थान है। भूमंडलीकरण के दौर में, हिंदी वैश्विक स्तर पर एक बेहद प्रभावशाली भाषा के रुप में उभरी है। हिंदी एक जीवंत भाषा है और इसकी सरलता एवं सहजता इसे विशिष्ट बनाती है। भारत की नैतिकता और दर्शन को समझने के लिए हिंदी का ज्ञान परम आवश्यक है। हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की पहचान को संरक्षित रखने के लिए हमें हिंदी के प्रति अपनी निष्ठा बनाये रखने की आवश्यकता है। अत: राजभाषा हिंदी के प्रति हमारा व्यवहार स्नेह एवं सम्मान की भावना से परिपूर्ण होना चाहिए ।

वैसे तो हमारे देश में अनेक उन्नत और समृद्ध भाषाएं हैं, किंतु हिंदी का क्षेत्र व्यापक है। हिंदी केवल हिंदीभाषियों की ही भाषा नहीं रही, अब वह भारतीय जनमानस के हृदय की भाषा बन गई है। राजभाषा हिंदी का प्रचार करना राष्ट्रीयता का प्रचार करना है। राजभाषा नियमों में भी बोलचाल की सरल हिंदी अपनाने की बात कही गई है। राजभाषा जितनी सरल सहज एवं प्रयोजनमूलक होगी उतनी ही उसकी उपयोगिता बढ़ेगी । हमें सरकारी कामकाज की भाषा को सरल और स्वाभाविक बनाना होगा। केवल सरकारी नीति या प्रचार प्रसार के प्रयास अपने आप में पर्याप्त नहीं है। राजभाषा हिंदी को राष्ट्र का गौरव बनाने में यथाशक्ति योगदान देकर हमें अपना दायित्व निभाना होगा क्योंकि राजभाषा हिंदी की प्रगति में ही हम सबकी प्रगति निहित है ।

गोवा शिपयार्ड सदैव राजभाषा हिंदी की प्रगति के प्रति समर्पित रहा है। राजभाषा हिंदी की प्रगति के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और हिंदी के प्रति हमारी आस्था और निष्ठा व्यक्त करते हुए 'गोवायार्ड दर्शन' की प्रस्तुति हमारा इस दिशा में एक प्रयास है। 'गोवायार्ड दर्शन' का यह अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

सुधी पाठकों की प्रतिक्रिया एवं सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी ।

शुभकामनाओं सहित.....

राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

1.	श्री बृजेश कुमार उपाध्याय	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष
2.	कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन	निदेशक (नियोप एवं व्यावि)	सदस्य
3.	श्री सुनील शिवलिंग बागी	निदेशक (वित्त)	"
4.	श्री संजय कृष्ण नव्हाले	मुख्य सतर्कता अधिकारी	"
5.	कमोडोर (निवृत्त) शिरीष दुबे	मुख्य महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	"
6.	कमोडोर(निवृत्त) योगेश कुमार शर्मा	मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन)	"
7.	श्री पी. रविन्द्रन	मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य)	"
8.	कमोडोर(निवृत्त) आदिकेश वासुदेवन	महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं)	"
9.	श्री एम. सुब्रमण्यम	महाप्रबंधक (वाणिज्य)	"
10.	श्री सुनील पी. यादव	महाप्रबंधक (परियोजना, वित्त एवं लेखा)	"
11.	श्री देवानंद एस. पाटेकर	महाप्रबंधक (उत्पादन – तटरक्षक परियोजना)	"
12.	श्री वी. के. देशपांडे	महाप्रबंधक (साइंसे एवं जम)	"
13.	श्री आनंद मुर्शिली	महाप्रबंधक (निगमित वित्त)	"
14.	श्री नागेश डी. पई	महाप्रबंधक (उत्पादन – नौसेना परियोजना)	"
15.	कमांडर (निवृत्त) सौरभ जैन	महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	"
16.	श्री आर. एन. माजालिकर	महाप्रबंधक (पी एंड पीसी)	"
17.	श्री विवेक के. सैल	महाप्रबंधक (बाह्यस्रोत)	"
18.	श्री शशिकांत शिवाजी कांबले	विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन)	"
19.	दत्तप्रसाद नरहरि भट	विभाग प्रमुख (गु आ एवं वि)	"
20.	श्री एम. कलयरसन	अपर महाप्रबंधक (प्रशासन)	"
21.	श्री किशोर सामंत	अपर महाप्रबंधक (विधि)	"
22.	श्रीमती छाया जैन	अपर महाप्रबंधक (कंपनी सचिव)	"
23.	श्री प्रकाश लक्ष्मण गावडे	विभाग प्रमुख (शिआप)	"
24.	डॉ. वेदपाल तारी	अपर महाप्रबंधक विभाग प्रमुख (चिकित्सा)	"
25.	श्री सनोज कुमार पांडेय	उपमहाप्रबंधक (आंतरिक लेखा)	"
26.	श्री विभु सिंह प्रतिहार	उप कमांडेंट (केऔसुब)	"
27.	लेफ़्टिनेंट कमांडर (निवृत्त) साहिल जायसवाल	अप्रनि के तकनीकी सहायक	"
28.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)	सदस्य सचिव

संपादक मंडल

■ संरक्षक ■
श्री बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

■ मार्गदर्शक ■
कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन
निदेशक (नियोप एवं व्यावि)

श्री शशिकांत शिवाजी कांबले
विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन)

■ संपादक ■
श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

■ सहयोगी गण ■
हिंदी अनुभाग

■ विशेष सहयोग ■
जनसंपर्क अनुभाग

(इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचारों से गोशिलि का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह रचनाकारों के अपने विचार हैं।)

पत्रिका डिज़ाइन
द बालाजी ऑफसेट
ईमेल: thebalajioffset95@gmail.com
मो. +91 99244 75211

अनुक्रमणिका

• अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन	01
• निदेशक की कलम से	02
• दो शब्द	03
• संपादकीय	04
• भारतीय तटरक्षक बल के दो गश्ती पोतों का जलावतरण	07
• भारतीय नौसेना पोत त्रिपुट का जलावतरण	08
• स्वदेशी रूप से विकसित प्रदूषण नियंत्रण पोत का जलावतरण	09
• 58वीं वार्षिक साधारण बैठक	10-11
• गोशिलि द्वारा अंतिम लाभांश का भुगतान	11
• एमएसएमई के लिए विक्रेता बैठक	12
उत्सवों से सराबोर शिपयार्ड	
• महिला सशक्तिकरण	13
• अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	14 - 15
• 78वां स्वतंत्रता दिवस	16 – 18
• स्वच्छता भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताएं	19
• अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	20
• भारत रत्न डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 133वीं जयंती	21
शिपयार्ड में हिंदी के बढ़ते कदम	
• राकास की बैठक / नराकास की बैठक	22
• हिंदी गृह पत्रिका का विमोचन / हिंदी कार्यशाला	23
• हिंदी पखवाड़ा 2024	24 – 31
प्रशिक्षण	
• श्रमिकों के लिए प्रेरक कार्यक्रम नए भर्ती किए गए अधिकारियों के लिए प्रेरणा और टीम निर्माण पर कार्यक्रम	32
• मानव संसाधन मुद्दों और चुनौतियों पर व्याख्यान ईएसआईसी और ईपीएफओ अधिनियमों पर सत्र	33
मेडिकल	
• नेत्र जाँच शिविर / रक्तदान शिविर / वेक्टर जनित रोगों पर जागरुकता सत्र / फर्स्ट एड बॉक्स	34
• स्वास्थ्य देखभाल / बेहतर स्वास्थ्य के लिए तनाव मुक्त जीवन पर कार्यक्रम	35
सीएसआर गतिविधियां	
• 240 लीटर क्षमता वाली 200 ट्रॉली अपशिष्ट संग्रहण कूड़ेदान की आपूर्ति / गोवा आजीविका मंच	36
• गवर्नमेंट हाई स्कूल, वाडेम को 4 डिजिटल बोर्ड प्रदान / वास्को स्थित सरकारी स्कूल का नवीकरण	37
• वाडेम तालाब की सीढ़ियों की मरम्मत / गर्म पानी ..... ठंडा पानी	38
आलेख	
• भारतीय झंडा संहिता	39
• खुद को साइबर सुरक्षित कैसे बनाएं ?	40
• रेंसमवेयर रोकथाम के लिए सुझाव	41
• आप बीती	42 - 43
• गोवा के मंदिर	43
• सत्यनिष्ठा की संस्कृति से देश की समृद्धि	44
काव्यांजलि	
• कहानी एक परी की	45
• भारत की एकता / कितना सुंदर कितना प्यारा	46
• मैं बादल हूँ	47
• गुरु / दोस्ती	48

भारतीय तटरक्षक बल हेतु दो तेज़ गश्ती पोतों का जलावतरण



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक बल के लिए दो स्वदेशी तेज़ गश्ती पोतों के लॉन्चिंग के साथ जहाज निर्माण उत्कृष्टता के एक नए युग का आरंभ

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि), भारत के प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (डीपीएसयू) शिपयार्ड ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए दो स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित तेज़ गश्ती पोतों (एफपीवी) कर साथ लॉन्चिंग के साथ एक और उपलब्धि हासिल की है। गोशिलि, भारतीय तटरक्षक बल के लिए आठ एफपीवी का बेड़ा बना रहा है, जो रक्षा उत्पादन में **'आत्मनिर्भर भारत'** के दृष्टिकोण को साकार करने में शिपयार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। यह लॉन्चिंग तकनीकी और प्रचालन उत्कृष्टता की दिशा में गोशिलि की महत्वाकांक्षी यात्रा में एक ऐतिहासिक अध्याय है। पहले दो जहाजों, **"अदम्य" और "अक्षर"** को श्रीमती प्रिया परमेश द्वारा भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक, परमेश शिवमणि, पीटीएम, टीएम की उपस्थिति में अथर्ववेद के मंत्रों के बीच औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट लोगों में आईजी एचके शर्मा, टीएम, डीडीजी (एमएंडएम) के साथ-साथ रक्षा और समुद्री उद्योग से जुड़े प्रमुख हितधारक शामिल थे।

लॉन्चिंग के अवसर पर गोशिलि के अप्रनि श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने शिपयार्ड के प्रभावशाली विकास पथ पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गोशिलि ने सकल राजस्व में उल्लेखनीय 100% वृद्धि देखी है और 2,000 करोड़ रुपये के आकड़े को पार कर गया है। अप्रनि ने कहा, "गोशिलि ने अपनी पिछली उपलब्धियों से लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है और अत्याधुनिक तकनीकों और परिवर्तनकारी नीतियों को अपनाते हुए स्वदेशी क्षमताओं के साथ भारत के अग्रणी जहाज निर्माणकर्ताओं में से एक बन गया है।" उन्होंने गोशिलि की सफलता का श्रेय नवाचार, आधुनिकीकरण और भारतीय तटरक्षक बल के साथ गतिशील साझेदारी के प्रति इसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दिया, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रचालन तत्परता को लगातार मजबूत किया है। तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने भारतीय तटरक्षक बल और गोशिलि के बीच स्थायी सहयोग की सराहना की, जिसने कोविड-19 महामारी से लेकर भू-राजनीतिक व्यवधानों तक की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया। महानिदेशक शिवमणि ने कहा, "यह लॉन्चिंग भारतीय उद्योग के साथ घनिष्ठ सहयोग से हासिल की गई गोशिलि की लचीलेपन और सरलता का प्रतीक है। इन जहाजों में उपयोग की गई स्वदेशी सामग्री **आत्मनिर्भर भारत पहल** का गौरवपूर्ण प्रतिबिंब है।"

इन अत्याधुनिक एफपीवी को भारतीय तटरक्षक बल की विशिष्ट प्रचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गोशिलि द्वारा इन-हाउस डिज़ाइन किया गया है। 52 मीटर की लंबाई, 8 मीटर की चौड़ाई और 320 टन के विस्थापन के साथ, ये जहाज अपतटीय संपत्तियों, द्वीप क्षेत्रों की रक्षा करने और निगरानी अभियान चलाने के लिए अनुकूल हैं। गोशिलि के इतिहास में पहली बार, शिपयार्ड के अत्याधुनिक शिपलिफ्ट सिस्टम का उपयोग करके एक साथ दो जहाजों को लॉन्च किया गया, जो एक परिवर्तनकारी उपलब्धि है और गोशिलि के आधुनिकीकरण प्रयासों को रेखांकित करती है। माननीय मुख्य अतिथि ने रक्षा मंत्रालय और गोशिलि की टीमों की प्रशंसा की, जिन्होंने स्वदेशी प्रयासों के माध्यम से तटरक्षक बल की जहाज निर्माण आवश्यकताओं को पूरा किया और उन्होंने चुनौतियों के बावजूद इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए शिपयार्ड के कर्मचारियों की सराहना की। मुख्य अतिथि ने सभी से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर इस यात्रा को अविचलित ध्यान और प्रतिबद्धता के साथ जारी रखने का आह्वान किया।

"अदम्य" और **"अक्षर"** की लॉन्चिंग भारत की बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता और देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करने वाले उन्नत, स्वदेशी रूप से निर्मित जहाजों को सुपुर्द करने के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अटूट समर्पण को दर्शाता है। यह परियोजना स्थानीय आर्थिक समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है, जिससे एमएसएमई और गोशिलि का समर्थन करने वाले स्थानीय उद्योगों के पारिस्थितिकी तंत्र में रोजगार और विकास को बढ़ावा मिलता है।

भा.नौ.पो. त्रिपुट का जलावतरण



एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि), एक प्रमुख भारतीय डीपीएसयू शिपयार्ड ने 23 जुलाई 2024 को पहला स्वदेशी पी1135.6 फ्रिगेट सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह पोत गोशिलि में निर्मित किए जा रहे पी1135.6 परीयोजना के 02 फ्रिगेट में से पहला है। पहली बार कि इन जहाजों का निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है और इस शक्तिशाली फ्रिगेट के लॉन्चिंग के साथ, भारतीय नौसेना और गोशिलि ने आत्मनिर्भरता की ओर अपनी विजय यात्रा को जारी रखा है, जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को वास्तविकता में बदला जा रहा है। इस प्रकार हथियार गहन प्लेटफॉर्म बनाने में सक्षम यार्डों की श्रेणी में एक और रक्षा शिपयार्ड को जोड़ने का एक रणनीतिक कदम वास्तविकता बन रहा है। इस अवसर के मुख्य अतिथि गोवा के माननीय राज्यपाल श्री पी.एस. श्रीधरन पिल्लई की उपस्थिति में एडवोकेट (श्रीमती) रीता श्रीधरन द्वारा जहाज को लॉन्च किया गया। लॉन्चिंग समारोह में वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, नौसेना उप प्रमुख और गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय के साथ-साथ रक्षा मंत्रालय के अधिकारी, भारतीय नौसेना के वरिष्ठ ध्वज अधिकारी और गोशिलि के कर्मचारी शामिल हुए।

20 सितंबर 2020 को जहाज की प्लेट कटिंग समारोह और 29 जनवरी 2021 को कील लेईंग के बाद से, शिपयार्ड ने लॉन्चिंग के इस उपलब्धि को हासिल करने में असाधारण प्रगति की है। यह आयात विकल्प अनेक जटिल और उन्नत स्वदेशी तकनीक और प्रणालियों को शामिल करते हुए स्वदेशीकरण की एक पहचान है। इन श्रेणी के जहाजों का हल स्ट्रक्चर स्वदेशी स्टील से बनाया जा रहा है, जो एक विशेष लो कार्बन माइक्रो एलॉय ग्रेड स्टील है। इन जहाजों का निर्माण भारतीय नौसेना की तीनों आयामों में नौसेना युद्ध के पूरे स्पेक्ट्रम को पूरा करने के लिए विशिष्ट आवश्यकताओं पर आधारित है। 124 मीटर लंबा और 15.5 मीटर चौड़ा यह जहाज चार गैस टर्बाइनों द्वारा संचालित है, जिन्हें लगभग 3200 टन के विस्थापन पर 28 नॉट की अधिकतम गति प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जहाज को अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर, एक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म और ब्रिज मैनेजमेंट सिस्टम और कई अन्य उन्नत सुविधाओं के एक शक्तिशाली संयोजन के साथ सुसज्जित किया जा रहा है। दुश्मन के विमानों और एंटी-शिप क्रूज मिसाइल का मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन किए गए इस जहाज की वायु रक्षा क्षमता, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली वर्टिकल लॉन्च मिसाइल प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमेगी। इसके अलावा, जहाज को निजी उद्योग द्वारा डिजाइन और विकसित स्वदेशी बिजली उत्पादन और वितरण प्रणाली, एसी, स्टीयरिंग सिस्टम और स्टेबलाइजर्स से सुसज्जित किया गया है।

यह परियोजना स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करके और कार्यबल / उद्यमियों / एमएसएमई का समर्थन करके राष्ट्र की समृद्धि में योगदान दे रही है। इस परियोजना से विभिन्न कारखानों और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के भीतर उत्पादन गतिविधियों में लगे स्थानीय उद्योग और एमएसएमई के लिए पर्याप्त रोजगार पैदा होने की संभावना है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, गोवा के माननीय राज्यपाल ने रक्षा मंत्रालय, भारतीय नौसेना और उद्योग द्वारा भारतीय नौसेना की सभी जहाज निर्माण आवश्यकताओं को स्वदेशी रूप से पूरा करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। इसके अलावा, सभी बाधाओं को पार करते हुए इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने के लिए गोशिलि के कर्मचारियों को बधाई देते हुए, उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि रक्षा उत्पादन में 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में आगे बढ़ा जाए ताकि लक्ष्यों को पूरा किया जा सके। त्रिपुट की लॉन्चिंग हमारे देश की युद्धपोत निर्माण क्षमता का एक अनुकरणीय प्रमाण है और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को भारतीय नौसेना के लिए अत्याधुनिक फ्रिगेट बनाने में सक्षम भारतीय शिपयार्ड की श्रेणी में शामिल करता है।

स्वदेशी रूप से विकसित प्रदूषण नियंत्रण पोत का जलावतरण



भारतीय तटरक्षक बल ने 29 अगस्त 2024 को गोवा में अपना पहला स्वदेशी रूप से विकसित प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' लॉन्च किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने की और उद्योग भागीदारों को रक्षा उत्पादन में भारत को पूरी तरह से आत्मनिर्भर और निर्यातक बनाने में योगदान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित इस पोत का उद्देश्य भारत के तटीय क्षेत्रों में तेल रिसाव को रोकना है और यह स्वदेशी जहाज निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पोत की विशिष्टताएं और निर्माण श्रीमती नीता सेठ द्वारा नामित 'समुद्र प्रताप' का निर्माण गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा आईसीजी की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया गया है। पोत की लंबाई 114.5 मीटर, चौड़ाई 16.5 मीटर और इसका विस्थापन 4170 टन है। गोशिलि, (एक प्रमुख भारतीय शिपयार्ड) ने 583 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय तटरक्षक के लिए दो ऐसे पोत बनाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह पहली बार है जब इन पोतों को स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है। 'समुद्र प्रताप' का लॉन्च भारत की बढ़ती जहाज निर्माण क्षमताओं और आत्मनिर्भरता की दिशा में इसकी प्रगति का प्रमाण माना जाता है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह जहाज 72% स्वदेशी है और तटीय प्रदूषण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उन्नत तकनीक से लैस है। ₹250 करोड़ मूल्य के इस जहाज से भारत के समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा और तटीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। इस समारोह में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय के साथ-साथ रक्षा मंत्रालय, भारतीय तटरक्षक, भारतीय नौसेना और गोशिलि के अधिकारी भी शामिल हुए। यह लॉन्च गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को उन भारतीय शिपयार्ड के विशिष्ट समूह में शामिल होने को रेखांकित करता है, जो अत्याधुनिक प्रदूषण नियंत्रण पोतों का उत्पादन करने में सक्षम हैं।





गोशिलि की 58वीं वार्षिक साधारण बैठक वित्त वर्ष 2023-24 में वित्तीय प्रदर्शन में नए मानक स्थापित



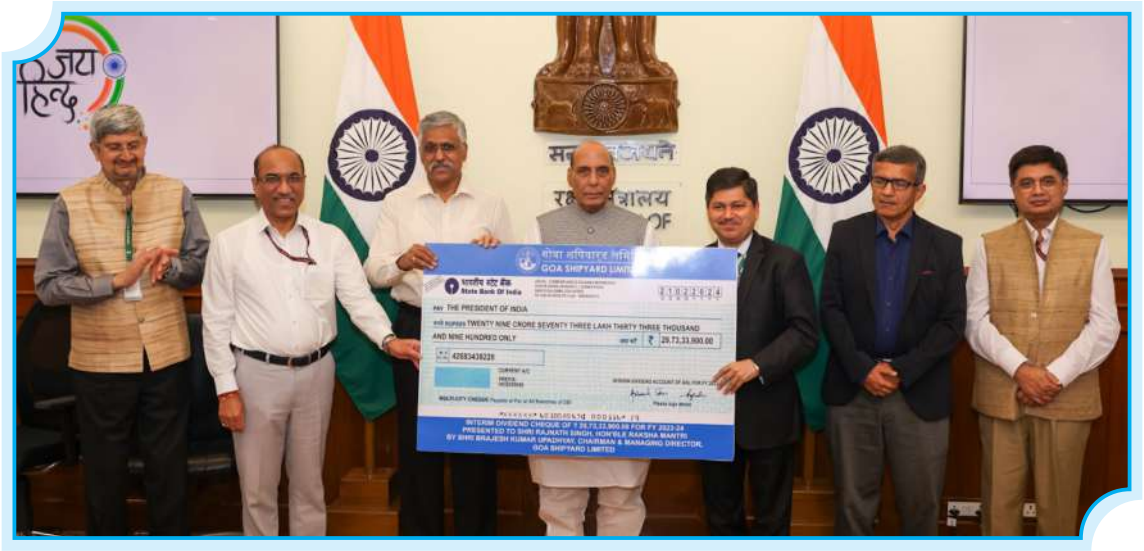
गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) की 58वीं वार्षिक साधारण बैठक (एजीएम) 25 सितंबर 2024 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अप्रनि) ने की और इसमें निदेशकों, लेखा परीक्षकों और शेयरधारकों ने भाग लिया, जिसमें वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण का अंगीकरण किया गया। सदस्यों को संबोधित करते हुए अप्रनि ने बताया कि कंपनी ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है और सभी वित्तीय मापदंडों पर अपनी पिछली उपलब्धियों से बेहतर प्रदर्शन किया है और सकल राजस्व में 100% की असाधारण वृद्धि हासिल की है, जो पहली बार 2,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रनि ने बताया कि कंपनी ने प्रचालन से अब तक का सबसे अधिक 1,753 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है, जो 102% की आश्चर्यजनक वृद्धि को दर्शाता है। कर पूर्व लाभ 365 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 78% की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है और कर पश्चात लाभ पिछले वर्ष के 155 करोड़ रुपये की तुलना में 271 करोड़ रुपये रहा है। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2024 तक गोशिलि की ऑर्डर बुक स्थिति 18,562 करोड़ रुपये थी, जो आने वाले वर्षों के लिए स्थिर राजस्व की छवि प्रदर्शित करती है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2023-24 में प्रति शेयर आय 13.28 रुपये से 76% बढ़कर 23.31 रुपये हो गई। एजीएम में, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 2.00 रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश घोषित किया गया, जो वर्ष के दौरान घोषित 5.00 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल लाभांश 7.00 रुपये प्रति शेयर है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 5.40 रुपये प्रति शेयर का भुगतान किया गया था। इस प्रकार, कुल 62.86 करोड़ रुपये के मुकाबले 81.48 करोड़ रुपये का बहिर्वाह हुआ है। इस तरह से कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है।

अप्रनि ने बताया कि गोशिलि वर्तमान में एक साथ अनेक अनुबंधों को निष्पादित कर रहा है, जिसमें कुल 22 समुद्री प्लेटफॉर्म शामिल हैं, जो गोशिलि के इतिहास में सबसे अधिक है। इनमें विशेष रूप से भारतीय नौसेना के लिए 02 उन्नत फ्रिगेट और 07 एनजीओपीवी, भारतीय तटरक्षक बल के लिए 02 पीसीवी और 08 एफपीवी और श्रीलंका नौसेना के लिए 01 फ्लोटिंग ड्राई डॉक शामिल हैं। भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद, गोशिलि ने अपनी चल रही परियोजनाओं में पर्याप्त प्रगति की है और 23 जुलाई 2024 को पहला फ्रिगेट "आईएनएस त्रिपुट" और 29 अगस्त 2024 को पहला पीसीवी "आईसीजीएस समुद्र प्रताप" लॉन्च करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अप्रनि ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, जीईएस वर्टिकल ने कंपनी के कारोबार को भी पूरक बनाया है और अनुबंध की सुपुर्दगी की तारीख से पूर्व पोर्ट ब्लेयर में भारतीय नौसेना को डैमेज कंट्रोल सिम्युलेटर और भारतीय सेना को बारह विशेष नौकाएं प्रदान करके उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने 19 जुलाई 2024 को केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप प्रशासन को एक एलपीजी सिलेंडर कैरियर भी सुपुर्द किया है। अप्रनि ने बताया कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में हमारी भागीदारी और संभावित देशों के साथ सक्रिय जुड़ाव के परिणामस्वरूप लक्ज़मबर्ग स्थित जान डे नल ग्रुप के लिए नेक्स्ट जेनरेशन ट्रेलिंग सक्शन हॉपर ड्रेजर के निर्माण के लिए वैश्विक ऑर्डर हासिल हुआ है। हमारी मजबूत ऑर्डर बुक और कई परियोजनाओं का समवर्ती निष्पादन आने वाले वर्षों में लगातार विकास और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि हमारी टीम और हमारी सामूहिक महत्वाकांक्षा की गहराई की कोई सीमा नहीं है और हम विकास और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबध्द है तथा निरंतर

नवाचार, स्वदेशीकरण और घरेलु तथा अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की सेवा करने के लिए अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं।

अप्रनि ने आगे बताया कि गोशिलि विभिन्न सरकारी पहलों जैसे 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत', विभिन्न रक्षा प्लेटफार्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक को अपनाना और तैनात करना, मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति आदि को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। अप्रनि ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहे और वर्ष के दौरान कई कर्मचारी-संबंधी जुड़ाव पहल की गईं और गोशिलि ने वर्ष के दौरान कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए 3.81 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो 3.42 करोड़ रुपये की वैधानिक आवश्यकता से अधिक है। अप्रनि ने रक्षा मंत्रालय, केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों और विभिन्न वैधानिक और स्थानीय निकायों के प्रति उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और निरंतर समर्थन के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता और विशेष स्वीकृति व्यक्त की, जिससे हमें विभिन्न लक्ष्यों और उपलब्धियों को हासिल करने में मदद मिली। अप्रनि ने सभी शेयरधारकों और निदेशकों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कंपनी के सभी कर्मचारियों द्वारा दिए गए भरपूर समर्थन और दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अंतिम लाभांश का भुगतान



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अप्रनि श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 11.89 करोड़ रुपये (ग्यारह करोड़ नवासी लाख रुपये) का अंतिम लाभांश चेक प्रदान किया। इस समारोह में श्री गिरिधर अरमाने, सचिव (रक्षा); श्री राजेश कुमार सिंह, रक्षा सचिव (नामित); श्री संजीव कुमार, सचिव (रक्षा उत्पादन) और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अंतिम लाभांश, प्रदत्त शेयर पूंजी के 40% पर भुगतान किया गया, जो पहले घोषित 100% के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त था, जो वर्ष के लिए 140% के कुल लाभांश भुगतान में परिणित हुआ। इसके परिणामस्वरूप भारत सरकार को कुल 41.63 करोड़ रुपये का लाभांश का भुगतान किया गया।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दिए गए 108% लाभांश से काफी अधिक है, जो गोशिलि के मजबूत वित्तीय प्रक्षेपवक्र और राष्ट्र और हितधारकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने की इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। रक्षा मंत्रालय के तहत एक प्रमुख जहाज निर्माण संगठन के रूप में, गोशिलि अपनी जहाज निर्माण क्षमताओं को बढ़ाकर, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर और प्रदर्शन बेंचमार्क को पार करके भारत की समुद्री सुरक्षा में योगदान देने के अपने मिशन में दृढ़ है।

गोशिलि के अप्रनि ने कंपनी की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और सफलता का श्रेय समर्पित कार्यबल और रणनीतिक पहलों को दिया जो सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के अनुरूप हैं।

एमएसएमई के लिए विक्रेता बैठक



गोवा में स्थित एक प्रमुख जहाज निर्माण इकाई गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से एक विक्रेता बैठक आयोजित की, जिसमें गोवा के भीतर संबंधों को मजबूत करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए गोशिलि में उपलब्ध अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया। विक्रेता बैठक बुधवार, दिनांक 7 अगस्त 2024 को गोशिलि "शिपयार्ड सदन", चिकालिम वास्को, गोवा में आयोजित की गई।

इस आयोजन का उद्देश्य जहाज निर्माण क्षेत्र में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करना, गोशिलि में संभावित क्षेत्रों और अवसरों पर प्रकाश डालना था, जहां स्थानीय एमएसएमई योगदान दे सकते हैं और लाभ उठा सकते हैं। इस प्रकार, इस महत्वपूर्ण उद्योग में प्रवेश करने या विस्तार करने के इच्छुक छोटे उद्यमों के लिए उपलब्ध चुनौतियों और समर्थन तंत्रों पर प्रकाश डाला गया। गोशिलि के अप्रनि श्री बी. के. उपाध्याय ने सभा को संबोधित किया और कहा कि वर्तमान में गोशिलि 23 विविध परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है और हमारे पास लगभग 18000 करोड़ रुपये का अच्छा ऑर्डर बुक है। उन्होंने आगे कहा कि इस ऑर्डर बुक की स्थिति से अगले तीन वर्षों में कार्यों/सेवाओं की काफी आउटसोर्सिंग होने की उम्मीद है। उन्होंने स्थानीय फर्मों/सेवा प्रदाताओं से इन आउटसोर्स किए गए कार्यों/सेवाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने और गोशिलि विकास का हिस्सा बनने का आग्रह किया। उन्होंने गोवा में औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने और इसे अगले उच्च स्तर पर ले जाने के लिए गोशिलि से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।



गोशिलि ने आरएक्सआईएल से अतिथि वक्ताओं को भी आमंत्रित किया था ताकि वे ट्रेड्स (टीआरईडीएस) प्लेटफॉर्म के लाभों के बारे में सभा को अवगत करा सकें और एमएसएमई को बता सकें कि वे उनके चालान के वित्त पोषण में कैसे सहायता कर सकते हैं। उपस्थित लोगों को उद्योग के विशेषज्ञों के साथ जुड़ने, संभावित सहयोगों का पता लगाने और एमएसएमई को बढ़ते जहाज निर्माण क्षेत्र का अपने फायदा के लिए कैसे लाभ उठा सकते हैं, इसकी गहरी समझ हासिल करने का अवसर भी मिला।

उत्सवों से सराबोर शिपयार्ड

महिला सशक्तिकरण

एक नियोक्ता के रूप में गोशिलि महिला कर्मचारियों को अपने कैरियर में उन्नति के लिए सभी स्तरों पर समान अवसर प्रदान करता है और समान रूप से एक ऐसी कार्य संस्कृति बनाने का प्रयास करता है, जो सभी स्तरों पर लैंगिक समानता को बढ़ावा देती है। 31 मार्च 2024 तक महिला कर्मचारियों की संख्या लगभग 10% है। सुरक्षित कार्य वातावरण बनाने के लिए महिला कार्यबल के लिए विभिन्न दिशानिर्देशों का अनुपालन किया जाता है। गोशिलि ने एक महिला सेल बनाया है और यह महिला कर्मचारियों के लिए एक गतिशील और उत्तरदायी मंच है, जो उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है।

गोशिलि सार्वजनिक क्षेत्र में महिला (डब्ल्यूआईपीएस) फोरम का एक कॉर्पोरेट सदस्य है। महिला कर्मचारियों को डब्ल्यूआईपीएस फोरम और अन्य प्रतिष्ठित एजेंसियों के कार्यक्रमों/गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। गोशिलि में महिला कर्मचारियों के कौशल को विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाता है। गोशिलि महिला सेल द्वारा अतिथि संकाय द्वारा महिला कर्मचारियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें आकर्षक सत्र के रूप में, समूह गतिविधियां, कौशल विकास, खेल, रोल प्ले आदि शामिल किए जाते हैं।



प्रति वर्ष की तरह, 08 मार्च 2024 को गोशिलि में **"अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस"** बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि गोवा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पई ने सभा को संबोधित किया और महिलाओं द्वारा निभायी जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं के महत्व और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के बढ़ते प्रतिनिधित्व पर जोर दिया। उन्होंने सर्व समावेशिता को बढ़ावा देने और महिलाओं को सशक्त बनाने में सरकार द्वारा की गई पहलों के बारे में भी बताया। अतिथि संकाय द्वारा "रीजॉइस" नामक एक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में जुनून, प्रतिबद्धता और सकारात्मकता के स्तर को तरोताज़ा करना और उन्नत करना था। कार्यक्रम में गोशिलि महिला कर्मचारियों द्वारा विभिन्न गतिविधियां और शानदार सांस्कृतिक प्रदर्शन भी शामिल थे।

कंपनी महिला कर्मचारियों की गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पीओएसएच अधिनियम) के प्रावधानों के अनुसार कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के लिए एक विधिवत गठित आंतरिक समिति है। आंतरिक समिति की अध्यक्षता एक वरिष्ठ महिला कार्यपालक करती है और इसमें संगठन से बाहर का सदस्य होता है, जो यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों का जानकार होता है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, प्रत्येक तिमाही में एक बार, चार आंतरिक समिति बैठकें आयोजित की गईं। आंतरिक समिति को यौन उत्पीड़न पर कोई शिकायत नहीं मिली, इसलिए वर्ष 2023-24 के अंत में कोई शिकायत लंबित नहीं है। तदनुसार, पीओएसएच अधिनियम की धारा 22 के तहत कोई खुलासा नहीं किया गया। कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान "प्रतीकात्मक मनोरंजन कार्यक्रम - पीओएसएच अधिनियम, 2013 पर जागरूकता" का आयोजन किया गया। "महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस" के अवसर पर, गोशिलि द्वारा गोवा आजीविका मंच के साथ मिलकर एक मनोरंजन नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का उत्सव मनाने का एक वैश्विक दिवस है। महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाने तथा लैंगिक समानता और महिला अधिकारों की वकालत करने के लिए हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर की महिलाओं को नारीत्व, समानता, उपलब्धियों और ऊंचाइयों का उत्सव मनाने के लिए समर्पित है।

इस साल के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम **"समावेशन हेतु प्रेरित करें"** थी और यह भावना नानू रिसॉर्ट्स, बेतालबाटिम में आयोजित समारोह के दौरान गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की महिला कार्यबल के बीच दिखायी दी। समारोह में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा अपनी महिला कर्मचारियों के लिए आयोजित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला थी, जो विविधता का उत्सव मनाने, महिलाओं की आवाज़ को बुलंद करने और ऐसा वातावरण बनाने के महत्व पर जोर देती है, जहाँ हर कोई स्वयं को मूल्यवान और सम्मानित महसूस करता है।



इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गोवा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पई थीं। सत्र का उद्घाटन गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय की पत्नी श्रीमती कामना उपाध्याय ने किया। उद्घाटन सत्र में कैप्टन जगमोहन, निदेशक (नियोप एवं व्यावि) अपनी पत्नी श्रीमती नंदिता जगमोहन के साथ; श्री सुनील बागी, निदेशक (वित्त) अपनी पत्नी श्रीमती संगीता बागी के साथ; श्री शशिकांत एस. कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्रीमती छाया जैन, कंपनी सचिव एवं गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा की विशिष्ट उपस्थिति थी। सत्र की शुरुआत गोशिलि की अधिकारी श्रीमती आरंगी विरिथा द्वारा प्रस्तुत स्वागत शास्त्रीय नृत्य से हुई। इसके बाद गोशिलि की 08 महिला कर्मचारियों के समूह द्वारा एक मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

अपने प्रेरक भाषण के दौरान, कैप्टन जगमोहन, निदेशक (नियोप एवं व्यावि) ने महिलाओं द्वारा चुनौतियों को अवसरों में बदलकर समाज के भविष्य को आकार देने में उनके अमूल्य योगदान और उनकी बुलंद आवाज़ के समाज पर बढ़ते प्रभाव की सराहना की।



मुख्य अतिथि द्वारा दिए गए भाषण में महिलाओं द्वारा निभायी जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं के महत्व और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के बढ़ते प्रतिनिधित्व पर जोर दिया गया। उन्होंने समावेशिता को बढ़ावा देने और महिलाओं को सशक्त बनाने में सरकार द्वारा की गई पहलों के बारे में भी बताया।

बाद में, सुश्री किरण शाह और उनकी टीम द्वारा महिलाओं के लिए "रिजॉइस" नामक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें समूह गतिविधियां और लघु प्रेरक वीडियो दिखाए गए। इस सत्र का उद्देश्य जुनून, प्रतिबद्धता और सकारात्मकता के स्तर को तरोताज़ा करना और बढ़ाना तथा व्यक्तिगत एवं प्रोफेशनल जीवन में टीम निर्माण और कृतज्ञता व्यक्त करने के महत्व को दर्शाना था।

दोपहर के स्वादिष्ट भोजन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिला कर्मचारियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला, साथ ही कुछ मजेदार खेल और स्पॉट पुरस्कार भी दिए गए। तद्पश्चात विभिन्न राज्यों के भारतीय लोक नृत्यों में विभिन्न संस्कृतियों का सम्मिश्रण दिखाया गया और एक प्रभावशाली संदेश देने वाला नाटक इस दिन का मुख्य आकर्षण रहा।

महिलाओं की बहुमुखी प्रतिभा, मुश्किल परिस्थितियां संभालने में महिलाओं की सहजता, बहुआयामी भूमिकाओं का प्रबंधन, संघर्ष प्रबंधन आदि पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें आत्म-जागरूकता और विभिन्न महिला कर्मचारियों की सराहना जैसी उत्साहजनक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्त महिला कर्मचारियों को उनके योगदान और कड़ी मेहनत के लिए सम्मानित भी किया गया।

गोशिलि की महिला सेल और प्रतिभागियों के सामूहिक प्रयासों से संचालित यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी। समान उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ आयोजित सभी गतिविधियों ने अभियान के अनुसार विषय **"समावेशन हेतु प्रेरित करें"** की भावना को मजबूत किया।





78वां स्वतंत्रता दिवस



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) ने वास्को द गामा, गोवा में अपने परिसर में बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना से प्रेरित थीम 'विकसित भारत', 'एक पेड़ माँ के नाम' के माध्यम से पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता और 'हर घर तिरंगा' के विजन के साथ भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम में गोशिलि कर्मचारियों और केऔसुब, उनके परिवारों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा सलामी दी गई। गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय द्वारा तिरंगा फहराने के साथ समारोह की शुरुआत हुई और उन्हें केऔसुब द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रगान के बाद श्री उपाध्याय ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता के बाद से भारत की यात्रा और देश की समुद्री रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में गोशिलि द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। अपने भाषण में श्री उपाध्याय ने इस वर्ष की थीम, "विकसित भारत" के महत्व पर जोर दिया, जो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे गोशिलि स्वदेशीकरण, नवाचार और जहाज निर्माण में तकनीकी उन्नति में अपने निरंतर प्रयासों के माध्यम से इस महान लक्ष्य में योगदान दे रहा है।

श्री उपाध्याय ने "आत्मनिर्भर भारत" पहल के प्रति गोशिलि की प्रतिबद्धता के बारे में बताया जिसमें उन्नत युद्धपोतों, गश्ती जहाजों और अन्य समुद्री संपत्तियों को स्वदेशी रूप से डिजाइन करने और निर्माण करने में शिपयार्ड की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि गोशिलि भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयासों और नवाचार जारी रखेगा, जिससे "विकसित भारत" के लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग मिलेगा। अप्रनि ने अपने प्रचालन में निरंतर कार्य प्रणालियों को एकीकृत करने के लिए गोशिलि के चल रहे प्रयासों पर भी बात की, जिसका उद्देश्य जहाज निर्माण गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है। उन्होंने गोशिलि के विकास के प्रति समर्पण की पुष्टि की, जो न केवल आर्थिक रूप से व्यवहार्य है बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी जिम्मेदार है, जो एक विकसित और मजबूत भारत के व्यापक लक्ष्यों के साथ संरेखित है।

श्री उपाध्याय ने पी11356 परियोजना की श्रृंखला के पहले फ्रिगेट के सफल जलावतरण पर टीम गोशिलि को बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि यह गोशिलि द्वारा निर्मित अब तक का सबसे बड़ा जहाज है और इसके साथ ही गोशिलि देश के उन चुनिंदा शिपयार्डों में शामिल हो गया है, जिनके पास सबसे परिष्कृत और जटिल फ्रंट-लाइन युद्धपोतों के निर्माण में









विशेषज्ञता है। जब मैं जहाज को देखता हूं, तो यह भव्य-दिव्य और राजसी लगता है, जिसने निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है और हमारे ग्राहक, भारतीय नौसेना को गोशिलि की प्रतिबद्धता के बारे में आश्वस्त किया है। हमारे पास अगले 5-6 वर्षों में निष्पादित करने के लिए अभूतपूर्व ऑर्डर बुक है। गोशिलि के इतिहास में यह पहली बार है जब एक साथ 21 जहाजों का निर्माण हो रहा है। इसलिए आगे का कार्य आसान नहीं है। आज की तारीख में हमारी ऑर्डर बुक लगभग 18000 करोड़ रुपये से अधिक है और भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल से विचाराधीन आरएफपी को देखते हुए, जब मैं अगले साल के स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए आप सभी के समक्ष आऊंगा, तो मुझे उम्मीद है कि गोशिलि की ऑर्डर बुक 30000 करोड़ रुपये को पार कर चूकि होंगी। निर्यात क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि लक्समबर्ग स्थित कंपनी के साथ नई पीढ़ी के हॉपर ड्रेजर के निर्माण के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना है। यह परियोजना विदेशी व्यावसायिक जहाज बाजार में हमारे प्रवेश का प्रतीक है, जो अत्याधिक प्रतिस्पर्धी होने के साथ-साथ निष्पादित करने के लिए चुनौतीपूर्ण भी है। इस प्रकार के ड्रेजर का निर्माण गोशिलि में पहली बार किया जा रहा है।

गोशिलि की पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ संरेखित एक विशेष पहल में, श्री उपाध्याय ने प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ की गई पहल "एक पेड़ माँ के नाम" (माँ के नाम पर एक पेड़) अभियान शुरू करने की घोषणा की। यह पहल कर्मचारियों को अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में पेड़ों की तरह ही माताओं द्वारा निभाई जाने वाली पोषण और सुरक्षात्मक भूमिका का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल हरित क्षेत्र को बढ़ाना है, बल्कि कर्मचारियों और पेड़ों के बीच भावनात्मक बंधन को भी मजबूत करना है, जो एक विकसित भारत के पर्यावरण संरक्षण के महत्व को पुष्ट करता है।

श्री उपाध्याय ने "हर घर तिरंगा" अभियान में गोशिलि की सक्रिय भागीदारी के बारे में भी बात की, जो नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करके उनमें देशभक्ति की गहरी भावना पैदा करने की एक सरकारी पहल है। गोशिलि ने सभी कर्मचारियों को तिरंगे वितरित किए, समुदाय के भीतर इस आंदोलन को बढ़ावा दिया तथा एकता और गौरव के प्रतीक के रूप में राष्ट्रीय ध्वज के महत्व पर जोर दिया। कर्मचारियों और उनके परिवारों ने इस राष्ट्रीय उद्देश्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए उक्त कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।





श्री उपाध्याय ने गोशिलि के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण को स्वीकार करते हुए कहा कि उनका योगदान संगठन की सफलता की रीढ़ है। उन्होंने सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे स्थानीय समुदायों की भलाई का समर्थन करने वाली पहलों में अपनी भागीदारी जारी रखें और "नशा मुक्त भारत अभियान" के तहत नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय मिशन में योगदान दें। कार्यक्रम में म्यूनिसिपल हाई स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए गए, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा एकता और विविधता की भावना को दर्शाया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में कंपनी के निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, विभाग प्रमुख, अधिकारी और कर्मचारीगण, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के डिप्टी कमांडेंट और जवान तथा पुरस्कार विजेता उपस्थित रहे। समारोह में, उत्कृष्ट कर्मचारियों को उनके संबंधित क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य के लिए 'प्रशंसा पुरस्कार', 'विशेष प्रशंसा पुरस्कार', से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 'क्वालिटी सर्कल पुरस्कार', सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित गोशिलि कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार, स्वच्छता जागरुकता अभियान के अंतर्गत कर्मचारियों तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों के बच्चों के लिए आयोजित ड्राइंग एवं पेंटिंग तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के पुरस्कार, गोवा राज्य के अजा/अजजा/अपिव छात्रों को छात्रवृत्ति पुरस्कार, गोशिलि के अजा/अजजा/अपिव कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृत्ति पुरस्कार, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों को सर्वश्रेष्ठ टर्न आउट (सबसे अच्छी वेशभूषा) पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसके बाद सभी उपस्थित लोगों को पौधे, तिरंगे और मिठाइयाँ वितरित की गईं।

विश्व पर्यावरण दिवस



विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को प्रति वर्ष मनाया जाता है, जो पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने और ग्रह की रक्षा के लिए वैश्विक कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है । यह दिन पर्यावरणीय मुद्दों को संज्ञान में लाने में और इसकी सुरक्षा के प्रति निरंतर प्रयासों की वकालत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है ।

गोवा शिपयार्ड द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2024 बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। 2024 की थीम "हमारी भूमि, हमारा भविष्य, हम जनरेशन रिस्टोरेशन हैं" की भावना को बनाए रखने के लिए गोशिलि कर्मचारियों को पर्यावरण दिवस पर एक शपथ दिलाई गई । इस वर्ष का विश्व पर्यावरण दिवस अभियान भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा पर केंद्रित है । यह दिन हमें याद दिलाता है कि पर्यावरण की सुरक्षा में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका है। यह हमारे दैनिक जीवन में निरंतर विकल्प बनाने के महत्व पर जोर देता है और हमें धरती माता के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रोत्साहित करता है । हमारे संयुक्त प्रयासों और पर्यावरण अनुकूल आचरण को लागू करके, हम हरित और स्वच्छ वातावरण बनाने की आशा कर सकते हैं ।

स्वच्छता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताएं





दिनांक 03 जुलाई 2024 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों तथा कर्मचारियों एवं केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल परिवार के बच्चों के लिए दो वर्गों (05 वर्ष से 11 वर्ष तक एवं 11 वर्ष से ऊपर 17 वर्ष तक) में 1600 से 1700 बजे तक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'स्वच्छ भारत अभियान' । निबंध से पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में उनकी जागरुकता बढ़ाने में मदद मिली, स्वच्छ भारत के बारे में रचनात्मक अभिव्यक्ति का मौका मिला । इस प्रतियोगिता ने बच्चों को लीक से हटकर सोचने, अद्वितीय विचारों के साथ अपनी रचनात्मक क्षमता का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया, जो उनकी कल्पना शक्ति को दर्शाता है । इसके पश्चात 1730 से 1830 बजे तक ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'स्वच्छ भारत एवं हरित भारत' । इस थीम में बच्चों ने हमारे देश को स्वच्छ रखने के विभिन्न विचारों को दर्शाते हुए सुंदर और रंगीन चित्र प्रस्तुत किए । विजेताओं को 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पुरस्कार प्रदान किए गए ।












अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस



गोशिलि द्वारा दिनांक 21 जून 2024 को गोशिलि कॉलोनी में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के योग शिक्षकों, निदेशकों, गोशिलि अधिकारियों और गोशिलि कर्मचारियों की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया । अधिकारियों / कर्मचारियों के सेहत और स्वास्थ्य तथा टीम निर्माण को बढ़ावा देने के लिए गोशिलि में नौवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया । सत्र का उद्घाटन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया । योग एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक क्रिया है, जिसकी उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई थी । भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के योग शिक्षक, श्री लक्ष्मण मांद्रेकर ने सुबह 07.30 बजे से 08.30 बजे तक योग आसन सिखाए । योग शिक्षकों ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन करते हुए सबका मार्गदर्शन किया । विभिन्न योग शिक्षकों द्वारा योग के अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए, जो शरीर के विभिन्न अंगों के व्यायाम पर आधारित थे । उन्होंने इन आसनों को करने से होने वाले फायदे और हमारे शरीर पर पड़ने वाले उनके प्रभाव का संक्षिप्त विवरण भी दिया । इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।



भारत रत्न डॉ. बी.आर. आंबेडकर की 133वी जयंती



14 अप्रैल, 2024 को गोशिलि में भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार, 'भारत रत्न' डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 133वीं जयंती बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाई गई। गोशिलि के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री क्लिफर्ड परेरा ने समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की और श्री संजय नव्हाले, मुख्य सतर्कता अधिकारी इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। कार्यक्रम में श्री पी. रवींद्रन, कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), श्री शशिकांत एस. कांबले, विभाग प्रमुख (मा. सं. एवं प्रशा.) और श्री संतोष एस. सावंत, अध्यक्ष, गोवा शिपयार्ड अजा/अजजा कर्मचारी संगठन भी मंच पर उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि, गणमान्य अतिथियों एवं अन्य उपस्थित लोगों के हाथों भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। संगठन के सदस्यों द्वारा 'धम्म वंदना', 'पंचशील' और 'सामूहिक प्रार्थना' का पाठ किया गया। मुख्य अतिथि, श्री क्लिफ़र्ड परेरा ने कार्यक्रम के महत्व और दलित समुदाय और राष्ट्र के कल्याण के लिए भारत के संविधान के संबंध में डॉ.बी.आर.आंबेडकर द्वारा किए गए योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वास्को क्षेत्र के सरकारी प्राथमिक विद्यालय, न्यू वाडेम, बायणा और मंगोर हिल के 25 अजा/अजजा छात्रों को पढ़ने लिखने की वस्तुओं का वितरण किया गया। गोशिलि अजा/अजजा कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष श्री संतोष एस. सावंत ने सभा का स्वागत किया; महासचिव श्रीमती शिवांशी एस कवलेकर ने एसोसिएशन की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुमारी पूर्णिमा सावंत ने समारोह का संचालन किया और कार्यक्रम का समापन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री संजय राम के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

मनुष्य नश्वर है, उसी तरह विचार भी नश्वर हैं। एक विचार को प्रचार-प्रसार की जरूरत होती है, जैसे कि एक पौधे को पानी की, नहीं तो दोनों मुरझाकर मर जाते हैं।

डॉ. बी. आर.आंबेडकर

शिपयार्ड में हिंदी के बढ़ते कदम

राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की तिमाही बैठक

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 24 जून 2024 एवं दिनांक 30 सितंबर 2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की क्रमश: 101वीं एवं 102री तिमाही बैठक संपन्न हुई । बैठक के दौरान गोशिलि में राजभाषा हिंदी गतिविधियों के विषय में विस्तार से चर्चा की गई । हिंदी पुस्तकालय के लिए नई हिंदी पुस्तक खरीद के विषय में चर्चा के पश्चात निर्णय लिया गया । राकास समिति ने गोशिलि के आंतरिक अनुभागों/विभागों में हिंदी की प्रगति बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों की स्थिति की समीक्षा की गई ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिनांक 24 सितंबर 2024 को अपराह्न 1500 बजे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण गोवा के सितंबर माह की बैठक डॉ. एन. विनोदकुमार, आइपीओएस, अध्यक्ष, मुरगांव पत्तन प्राधिकरण की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में गोशिलि की ओर से श्री राजेश हिरेमठ, अपर महाप्रबंधक (कल्याण), श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) तथा श्री संतोष सावंत, कनिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने भाग लिया। डॉ. सुस्मिता भट्टाचार्य, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, मुंबई क्षेत्र ने बैठक में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। बैठक में तकनीकी साधनों का उपयोग करते हुए हिंदी के कार्यान्वयन के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।



दक्षिण गोवा, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में पुरस्कार

राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए केन्द्रीय सरकारी कार्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और बैंकों को दक्षिण गोवा, नराकास द्वारा राजभाषा रोलिंग शील्ड और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को वर्ष 2023-24 में राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए द्वितीय स्थान पर राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया। राजभाषा रोलिंग शील्ड और प्रमाण पत्र श्री राजेश हिरेमठ, अपर महाप्रबंधक (कल्याण) एवं श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने ग्रहण किया।



'गोवायार्ड दर्शन' अक्तूबर 2023 – मार्च 2024 का विमोचन



दिनांक 24 जून 2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 100वीं बैठक के दौरान श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा कैप्टन जगमोहन, निदेशक (निगमित योजना परियोजना एवं व्यापार विकास), श्री सुनील एस. बागी, निदेशक (वित्त), एवं अन्य राकास सदस्यों की उपस्थिति में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' अक्तूबर 2023 - मार्च 2024 का विमोचन किया गया।

हिंदी कार्यशालाएं

दिनांक 08 जुलाई 2024को हिंदी प्रशिक्षण के लिए नामित कर्मचारियों की होने वाली हिंदी टाइपिंग परीक्षा की तैयारी तथा हिंदी टाइपिंग परीक्षा उत्तीर्ण कर्मचारियों के पुनश्चर्या प्रशिक्षण हेतु दिनांक 19 जून 2024 को बहुउद्देशीय हॉल, द्वितीय तल, एमसीएमवी बिल्डिंग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला का संचालन अतिथि संकाय डॉ. राकेश शर्मा, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा द्वारा किया गया । कुल 60 कर्मचारियों ने कार्यशाला का लाभ उठाया।





राजभाषा विभाग से प्राप्त निर्देश के अनुसार हर तिमाही में न्यूनतम एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाना अनिवार्य है। इस श्रृंखला में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत मूल रूप से हिंदी में किए गए कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 25 सितंबर 2024 को अधिकारियों/ पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, हिंदी कार्यशाला के संचालन हेतु डॉ. शुभ्रता मिश्रा, लेखिका को अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था । डॉ. शुभ्रता मिश्रा, लेखिका द्वारा राजभाषा हिंदी का समग्र स्वरुप विषय पर तथा अपराह्न सत्र में राजभाषा को बढ़ावा देने में ई- शिक्षण का उपयोग विषय पर प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। गोशिलि के 54 प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

हिंदी पखवाड़ा 2024 का आयोजन

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष की भांति गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में दिनांक 13 से 27 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । हिंदी पखवाड़ा 2024 का शुभारंभ 13 सितंबर 2024 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर निदेशक (नियोप एवं व्यावि), मुख्य सतर्कता अधिकारी, मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।





हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय और माननीय गृह मंत्री जी द्वारा जारी संदेशों को गोवा शिपयार्ड में दर्शक इंट्रानेट सिस्टम द्वारा सभी कार्मिकों तक पहुंचाया गया, ताकि इन संदेशों से प्रेरणा लेते हुए सरकारी काम-काज में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ाया जा सके ।

हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न अखिल गोवा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है :

हिंदी निबंध प्रतियोगिता

दिनांक 16 सितंबर 2024 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/ कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए **हिंदी निबंध प्रतियोगिता** (चुनौतियां अनेक, लक्ष्य एक – विकसित भारत 2047) का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 22 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।



श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



श्रीमती स्वाति डी. सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्री विकास बिष्ट
इंजीनियरिंग आउटफिट
तृतीय



श्री द्वारका प्रसाद प्रजापत
एसपीएस
सांत्वना

राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

दिनांक 17 सितंबर 2024 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/ कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए **राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 60 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।



श्री अभिजीत
साइंसे एवं जम
प्रथम



श्रीमती माया डी. चोपडेकर
सतर्कता
द्वितीय



श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय



श्री रोहित कुमार
सिविल
सांत्वना

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता

दिनांक 18 सितंबर 2024 को अखिल गोवा राज्य स्तरीय छठवीं, सातवीं, आठवीं एवं नौवीं स्कूली बच्चों के लिए **हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न विद्यालयों के कुल 39 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



कुमारी गौरी मनोज
नेवी चिल्ड्रन स्कूल,
चिखली
प्रथम



कुमारी नंदिनी मिश्रा
भारतीय विद्या भवन विद्यालय,
उपासनगर
द्वितीय



हितेष
केन्द्रीय विद्यालय,
आयएनएस माण्डवी
तृतीय



कुमारी निधि अविनाश रेगे
डॉ. के. बी. हेगडेवार उच्च विद्यालय,
कुजिरा, बंबोलिम
तृतीय



कुमारी तमन्ना बानो
अंजुमन एच. आय. उच्च विद्यालय,
बायणा
सांत्वना



कुमारी ऋद्धिमा सिंह
नेवी चिल्ड्रन स्कूल,
चिखली
सांत्वना

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता

दिनांक 19 सितंबर 2024 को अखिल गोवा राज्य स्तरीय **हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों से कुल 36 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



श्री हीर सिंह परमार
आयएनएस हंस, दाबोलिम
प्रथम



श्री प्रेम कुमार गौड़
5 तकनीकी प्रशिक्षण रेजिमेंट, बंबोलिम कैम्प
द्वितीय



श्री विशाल नारायण
आयएनएस हंस, दाबोलिम
तृतीय



श्रीमती उत्कलिका पुजारी
नेवी चिल्ड्रन स्कूल
सांत्वना

हिंदी भाषण प्रतियोगिता

दिनांक 20 सितंबर 2024 को अखिल गोवा राज्य स्तरीय दसवीं, ग्यारहवीं एवं बारहवीं स्कूली बच्चों के लिए **हिंदी भाषण प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था **एक पेड़ मां के नाम** । इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न विद्यालयों के कुल 42 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



कुमारी ईशानी दत्तराज देसाई
डॉ. के. बी. हेगडेवार उच्च विद्यालय, कुजिरा, बंबोलिम
प्रथम



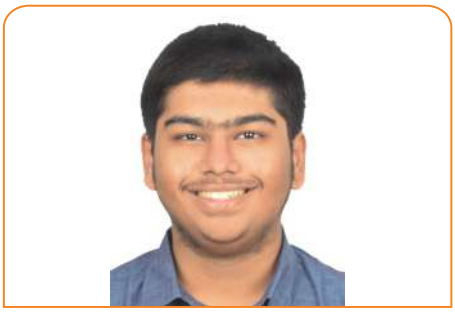
कलश मिश्रा
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक II, वास्को-द-गामा
द्वितीय



कुमारी देवयानी सचिन चव्हान
भारतीय विद्या भवन विद्यालय, उपासनगर
द्वितीय



कुमारी जिया खान
अंजुमन एच. आय. उच्च विद्यालय, बायणा
तृतीय



आदित्य उमेश नायक
जी. वी. एम. एस. एन. जे. ए. उच्च माध्यमिक विद्यालय, फोंडा
तृतीय

हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता

दिनांक 21 सितंबर 2024 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/ कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के बच्चों के लिए **हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। कुल 26 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



कुमारी संजुक्ता पालित
सुपुत्री श्री सौगत कुमार पालित
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



आदिदेव एमवी
सुपुत्र श्री लिजु कुमार वळप्पिल
नव निर्माण–वेल्डिंग
द्वितीय



कुमारी ईशा देवानंद पाटेकर
सुपुत्री श्री देवानंद सगुण पाटेकर
उत्पादन
तृतीय



अवनीश कठेल
सुपुत्र श्री रजनीश कठेल
तकनीकी सेवाएं
सांत्वना



आदित्य एस.
सुपुत्र श्री के. एस. संजीव कुमार
मानव संसाधन एवं प्रशासन
सांत्वना

हिंदी भाषण प्रतियोगिता

दिनांक 23 सितंबर 2024 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए **हिंदी भाषण प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय है **गोशिलि से जुड़े अविस्मरणीय अनुभव**। कुल 15 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



सुश्री नयना नारायण बांगर
बी.ए.डब्ल्यू
प्रथम



श्री प्रवीण आनंद पाटील
बी.ए.डब्ल्यू
द्वितीय



श्रीमती सुरेखा टी. गांवकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय



श्री प्रिंसिपल सिंह
सामान्य इंजीनियरिंग सेवाएं
सांत्वना

हिंदी हस्ताक्षर प्रतियोगिता

दिनांक 24 सितंबर 2024 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/ कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए **हिंदी हस्ताक्षर प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। कुल 65 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



श्रीमती सिद्धि सोमनाथ कलंगुटकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम



श्री अतुल मोरेश्वर खराड
पेंट शॉप
द्वितीय



श्री हरीश मीना
हल आउटफिट
तृतीय

हिंदी कार्यशाला



राजभाषा विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार प्रत्येक तिमाही में न्यूनतम एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाना अनिवार्य है। इस श्रृंखला में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत मूल रूप से हिंदी में किए गए कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से **दिनांक 25 सितंबर 2024** को अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/ कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यशाला के संचालन हेतु **डॉ. शुभ्रता मिश्रा**, लेखिका को अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया। गोशिलि के 56 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रोत्साहन योजनाएं:

गोवा शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक प्रोत्साहन योजनाएं हैं, जिनके अंतर्गत पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं।

1. हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने हेतु प्रोत्साहन योजना
2. अंग्रेजी के अलावा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए आशुलिपिक और टाइपीस्ट के लिए प्रोत्साहन योजना
3. हिंदी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' में छपी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए पुरस्कार योजना
4. दसवीं एवं बारहवीं परीक्षा में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हमारे कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रोत्साहन योजना

कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रोत्साहन योजना

गोशिलि कर्मचारियों के बच्चों को हिंदी सीखने के लिए प्रेरित करने तथा हिंदी के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए संचालित दसवीं कक्षा में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हमारे कार्मिकों के बच्चों में से दो बच्चों को प्रथम तथा द्वितीय स्थान स्वरूप क्रमश: 2500/- रुपए एवं 1700/- रुपए की नकद राशि के पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र समापन समारोह के दौरान प्रदान किए गए।

दसवीं कक्षा:



कुमारी सोनाक्षी साहू
सुपुत्री श्री प्रसन्न कुमार साहू
वित्त



लक्ष्यदीप शर्मा
सुपुत्र श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
मानव संसाधन एवं प्रशासन

हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने हेतु प्रोत्साहन पुरस्कार



श्रीमती माया डी. चोपडेकर
सतर्कता
प्रथम



श्रीमती जान्हवी पी. हलणॅकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्री राजेन्द्र एस. केरकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

हिंदी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' में छपी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए पुरस्कार योजना

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में गति प्रदान करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष नियमित रूप से गृह पत्रिका गोवायार्ड दर्शन का प्रकाशन किया जाता है एवं चयनित लेख और कविता रचनाकृति के लिए पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

गोवायार्ड दर्शन (अप्रैल-सितंबर 2023) में प्रकाशित लेखों में से सर्वश्रेष्ठ तीन लेखों को पुरस्कार पुरस्कार प्रदान किए गए।

लेख श्रेणी



कुमारी विपुला विवेक सैल
सुपुत्री श्री विवेक सैल
बाह्यस्त्रोत
प्रथम



श्री मुकेश एम. जुनघरे
भंडार
द्वितीय



श्री लेस्टर एग्नेलो डिसा
गुणता आश्वासन एवं विश्वसनीयता
तृतीय

कविता श्रेणी



भव्यान्शु यादव
सुपुत्र श्री बीरेन्द्र कुमार यादव
साइंसे
प्रथम



श्री रमीज राजा
वित्त
द्वितीय



श्री प्रदीप कुमार
वित्त
तृतीय

गोवायार्ड दर्शन (अक्तूबर 2023 – मार्च 2024) में प्रकाशित लेखों में से सर्वश्रेष्ठ तीन लेखों को पुरस्कार पुरस्कार प्रदान किए गए

लेख श्रेणी



श्रीमती प्रीतिमा सिंह
वाणिज्य
प्रथम



श्रीमती स्वाति डी. सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्रीमती दक्षता देसाई
गुणता आश्वासन एवं विश्वसनीयता
तृतीय

कविता श्रेणी



श्रीमती लीना परुलेकर
वाणिज्य
प्रथम



श्री रफी शेख
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय



श्री योगेन्द्र आडारकर
नव निर्माण - वेल्डिंग
तृतीय

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण दिनांक 27 सितंबर 2024 को श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।







प्रशिक्षण

श्रमिकों के लिए प्रेरक कार्यक्रम



श्रमिकों को प्रेरित करने के लिए **'जोश'** नामक एक दिवसीय कार्यक्रम 27 मार्च 2024 को एवीटी हॉल, गोशिलि में फाइन आंसर सर्विसेज, मडगांव, गोवा के श्री राजेश गांवकर और सुश्री वेनेसा एन्ना डी सूजा द्वारा संचालित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन शॉप काउंसिल समितियों के अनुरोध पर श्रमिकों के लिए किया गया था, ताकि उनका मनोबल बढ़ाया जा सके और उन्हें उत्पादकता बढ़ाने, उनकी दक्षता को विकसित करने और यार्ड में समय और लागत में कमी लाने के लिए योगदान देने प्रेरित किया जा सके। अतिथि संकायों ने प्रेरक वीडियो, रोल मॉडल गतिविधियों, टीम निर्माण खेलों और समूह गतिविधियों का प्रयोग करते हेतु कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें उत्पादन विभाग की शॉप काउंसिल समिति के 19 श्रमिकों ने भाग लिया।

नई भर्ती किए गए अधिकारियों के लिए प्रेरणा और टीम निर्माण पर कार्यक्रम

दिनांक 04-05 अप्रैल 2024 को मेसर्स पनाचे के डॉ. सिडालिया बोडाडे, प्रबंधन सलाहकार, गोवा द्वारा जीओआरसी चिकालिम में कनिष्ठ प्रबंधकों से प्रबंधकों के पद पर नई भर्ती किए गए अधिकारियों के लिए अधीनस्थ प्रेरणा और टीम बिल्डिंग दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम टीम बिल्डिंग विषय पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम मुख्य रूप से स्वयं और अधीनस्थों को प्रेरित करने और अपने अधीनस्थों के भीतर टीम निर्माण की पहल पर केंद्रित था। कार्यक्रम मॉड्यूल में प्रस्तुति, प्रेरक वीडियो, रोल मॉडल, टीम निर्माण खेल और समूह गतिविधियां शामिल थी। उक्त कार्यक्रम में 30 नवनियुक्त अधिकारियों ने भाग लिया और कार्यक्रम की सराहना की।



मानव संसाधन मुद्दों और चुनौतियों पर मानव संसाधन श्री अरुण कुमार चांद द्वारा व्याख्यान





माझगांव डॉक्स शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई के महाप्रबंधक (मानव संसाधन और ईआर) श्री अरुण कुमार चांद ने दिनांक 17 मई 2024 को मल्टीपर्पस हॉल, एमसीएमवी कॉर्पोरेट बिल्डिंग, में गोशिलि के मानव संसाधन अधिकारियों को संबोधित किया और मानव संसाधन कार्यों में मुद्दों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया, जिसमें भर्ती नियम और नवीनतम संशोधन, निष्पादन प्रबंधन, अनुबंध श्रम प्रबंधन, प्रशिक्षण प्रबंधन, कल्याण वस्तुओं की खरीद आदि जैसे विषय शामिल थे। दिनांक 18 मई 2024 को एससी/एसटी एसोसिएशन के सदस्यों के लिए सेवाओं में आरक्षण और नवीनतम संशोधनों पर एक विशेष सत्र भी आयोजित किया गया। प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ प्रश्न और उत्तर भी आयोजित किया गया, जिससे 40 मानव संसाधन अधिकारियों और एससी/एसटी/ओबीसी एसोसिएशन के सदस्यों को लाभ हुआ।

ईएसआईसी और ईपीएफओ अधिनियमों पर सत्रों का आयोजन

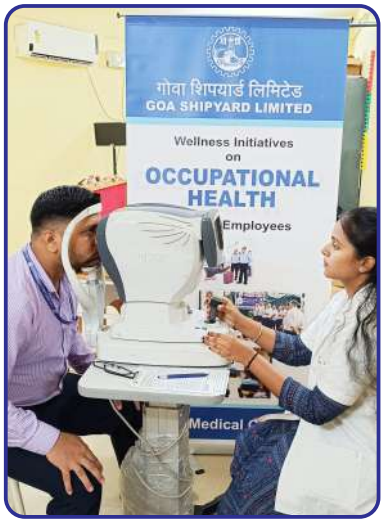
ईएसआईसी और ईपीएफओ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दिनांक 27 मई 2024 को गोशिलि में 'कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारियों की सुविधा समागम और भविष्य निधि संगठन के निधि आपके निकट कार्यक्रम' शीर्षक से सत्र आयोजित किए, जिसमें उन्होंने ईएसआईसी और ईपीएफ अधिनियमों के तहत प्रदान किए जाने वाले लाभों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रावधानों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त सुश्री राखी चक्रवर्ती ने उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस अवसर पर सुश्री क्षमा कोलवेकर, शाखा प्रबंधक, ईएसआईसी शाखा वास्को, श्री शशिकांत एस. कांबले, विभाग प्रमुख (मानव संसाधन और प्रशासन), श्री एम. कलयरसन, अपर महाप्रबंधक (प्रशासन) भी उपस्थित थे।

सुश्री क्षमा कोलवेकर, शाखा प्रबंधक ईएसआईसी और श्री रावलनाथ तुसलकर, जिला नोडल अधिकारी ने भविष्य निधि कार्यालय के अनुभाग पर्यवेक्षक श्री विवेकानंद कोळंबकर ने अपने अपने विभागों विभिन्न प्रावधानों और प्रक्रियाओं के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। ईएसआई और पीएफ मामलो का निपटारा करने वाले अधिकारियों/पर्यवेक्षकों और कार्यालय स्टाफ ने सत्रों में भाग लिया। ईएसआई के दायरे में आनेवाले कामगारों ने भी इन सत्रों में भाग लिया। उक्त सत्रों से कुल 70 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।



मेडिकल

नेत्र जांच शिविर



गोशिलि कर्मचारियों, सीआईएसएफ कर्मियों और अनुबंध श्रमिकों के लिए क्रमशः मार्च और अप्रैल 2024 के महीने में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. नाओमी डी'कोस्टा कंसल्टेंट नेत्र रोग विशेषज्ञ और मुक्ता आई केयर के ऑप्टोमेट्रिस्ट की टीम ने शिविर के लिए सेवाएं प्रदान कीं। कुल 170 लाभार्थियों ने सेवाओं का लाभ उठाया।

रक्तदान शिविर



गोशिलि मेडिकल विभाग ने ब्लड बैंक, गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बम्बोलिम के सहयोग से 24 मई 2024 को गोशिलि कर्मचारियों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 81 रक्तदाताओं ने इस नेक कार्य में सहयोग दिया।

वेक्टर जनित रोगों पर जागरूकता सत्र



विशेष रूप से मानसून के मौसम में वेक्टर जनित रोगों के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने के लिए 29 अप्रैल 2024 को गोशिलि में वेक्टर जनित रोगों पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। सत्र का संचालन डीएचएस, गोवा के चिकित्सा अधिकारियों द्वारा किया गया। जागरूकता सत्र में 50 गोशिलि कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों ने भाग लिया।

फर्स्ट एड बॉक्स

किसी भी आपातकालीन स्थितियों में तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए प्रत्येक विभाग में फर्स्ट एड बॉक्स उपलब्ध कराए जाते है। यह गोवा फैक्ट्री नियमों के अधीन वैधानिक आवश्यकता का अंग भी है। प्रत्येक फर्स्ट एड बॉक्स को खाली होने पर चिकित्सा केंद्र के कर्मचारियों द्वारा मासिक रूप से जांच किए जाने के बाद संबंधित प्रभारी को अनुभाग / विभाग प्रमुख को आंतरिक संसूचना देते हुए खाली फर्स्ट एड बॉक्स वापस प्रथमोपचार सामान से भरे जाने चाहिए। सुरक्षित कार्यस्थल की जानकारी एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु फर्स्ट एड बॉक्स पर ड्यूटी पर तैनात प्राथमिक उपचारकर्ता का नाम भी लिखा होना चाहिए।



स्वास्थ्य देखभाल



कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य सेवा को बनाए रखने और बढ़ावा देने में चिकित्सा अनुभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गोशिलि उनके शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय करता है और सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के आश्रित सदस्यों को व्यापक चिकित्सा कवरेज प्रदान करता है। इस बुनियादी उपचार सुविधाएं प्रदान करने के अलावा, यह इन-हाउस यूनिट गोवा के भीतर और बाहर उन्नत तृतीयक देखभाल केंद्रों के लिए रेफरल सेवाएं भी प्रदान करती है। फेमिली पॉलीक्लिनिक के माध्यम से कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों को सुपर स्पेशिलिटी परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। समय-समय पर चिकित्सा जांच, नियमित चिकित्सा जांच, आपातकालीन देखभाल, फॉलो-अप, इन-हाउस मेडिकल प्रयोगशाला जांच आदि के माध्यम से निवारक और उपचारात्मक देखभाल प्रदान की जाती है। कर्मचारियों, अनुबंध श्रमिकों और केऔसुब कर्मियों के लाभ के लिए विभिन्न स्वास्थ्य विषयों और कल्याण शिविरों जैसे नेत्र जांच, अस्थि खनिज घनत्व परीक्षण, स्तन कैंसर का पता लगाना, रक्तदान शिविर आदि पर जागरूकता सत्र आयोजित किए जाते हैं। सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चिकित्सा दावों को चिकित्सा अनुभाग के माध्यम से सुगम बनाया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, गोशिलि ने अपने कर्मचारियों के लिए प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए तनाव मुक्त जीवन पर कार्यक्रम



प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, गोवा क्षेत्र के आचार्यों द्वारा दिनांक 12 जुलाई 2024 को मल्टीपर्पस हॉल, एमसीएमवी कॉर्पोरेट बिल्डिंग, गोशिलि में तनाव मुक्त जीवन पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ मैरीटाइम स्टडीज के पूर्व निदेशक और ब्रह्माकुमारी के शिपिंग एवियेशन एंड टूरिज्म विंग के सदस्य श्री दीपक शाह ने योग, ध्यान और दैनिक व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन जीने के तरीके बताए और ब्रह्मकुमारी बहनों द्रौपदी और सुनीता बेन ने तनाव मुक्त जीवन, सर्वोच्च शांति, जीवन में खुशी तथा अपने और परिवार के लिए बेहतर स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने पर विभिन्न सत्र आयोजित किए। आध्यात्मिक सत्रों में भाग लेने वाले 25 अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की।

सीएसआर गतिविधियां

240 लीटर क्षमता वाली 200 ट्रॉली अपशिष्ट संग्रहण कूड़ेदान की आपूर्ति

कूड़ेदान हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कूड़ेदान एक अपशिष्ट कंटेनर है जिसका उपयोग अस्थायी रूप से कचरा भंडारण के लिए किया जाता है और यह अपशिष्ट पदार्थों को संग्रहित करने के लिए धातु या प्लास्टिक या किसी भी मजबूत पदार्थ से बना होता है। वे विभिन्न प्रकार की नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय अपशिष्ट का भंडारण करते हैं और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद करते हैं। वे गंध-मुक्त वातावरण बनाए रखने में भी मदद करते हैं और इसका आवश्यक उद्देश्य यह है कि यह गंदे और सड़ने वाले कचरे को बाकी स्वच्छ परिवेश से अलग रखने में मदद करता है। पालतू जानवरों और कीड़ों के आक्रमण को रोकने और दुर्गंध को कम करने के लिए कूड़ेदान को हमेशा ढककर रखना चाहिए। वास्को को स्वच्छ बनाने हेतु इस कार्य को अंजाम देने की प्रक्रिया में कूड़ेदानों की भारी कमी हो गई है। इस दृष्टि से नगर पालिका भी अपना काम कर रही है, लेकिन उसके पास कूड़ेदानों की कमी है, जो स्वच्छता बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। वास्को को एक स्वच्छ शहर बनाने के लिए और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नारे के "एक कदम स्वच्छता की ओर और स्वच्छ भारत मिशन के दृष्टिकोण के अनुरूप, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने सार्वजनिक स्थानों पर जहां अक्सर अंधेरा छाया रहता है, उन क्षेत्रों की सफाई करके सौंदर्यीकरण जैसी गतिविधि को अंजाम दिया है। जहां आमतौर पर कचरा बिखरा रहता है, उन क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण करके पर्यावरण और परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए 240 लीटर पहिये वाली 200 ट्रॉली अपशिष्ट संग्रहण कूड़ेदान प्रदान किए है ताकि वास्को एक कचरा मुक्त क्षेत्र बन जाए। मुरगांव नगरपालिका की मदद से प्रत्येक समाज और विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता और साफ सफाई के प्रति समुदायों के बीच बेहतर स्वास्थ्य और जीवन के लिए उचित स्वच्छता मॉडल अपनाने के लिए समुदायों को प्रेरित करने जागरूकता शिविर लगाए गए।

गोवा आजीविका मंच

यह कार्यक्रम बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर पोषण संबंधी जागरूकता पैदा करने के सरकारी प्रयासों के साथ जुड़कर परिणामों को बढ़ाने में सहयोग देता है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने 16 नवंबर 2023 को गोवा लाइवलीहुड फोरम के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने एनीमिया के उपचार करने के लक्ष्य के साथ अनन्या- पोषण के माध्यम से गोवा के सीमांत क्षेत्रों में गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों के बीच जीवन को सशक्त बनाना विषय पर पोषण कार्यक्रम पर सहयोग करने के लिए अपने सीएसआर पहल के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की है।

आवश्यक पोषण हेतु प्रावधान और स्वस्थ आदतों से संबंधित शिक्षा के माध्यम से इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण आर्थिक रूप से वंचित और हाशिए पर रहने वाले समुदायों का विस्तार करना है, इस कार्यक्रम का लक्ष्य इन लक्षित आबादी के समग्र कल्याण में सुधार करने में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

'अनन्या' द्वारा पोषण पर विभिन्न कार्यक्रम जैसे स्कूल आउटरीच कार्यक्रम, डाबोलिम, मोरमुगाओ में जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, मायेम, बिचोलिम में महिला सशक्तिकरण कार्यशालाएं आयोजित किए गए हैं। पोषण पर ध्यान देने के साथ ज़ीन मेकिंग कार्यशाला, चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर, महिला पोषण जागरूकता कार्यशाला, बाल दिवस पोषण जागरूकता कार्यशाला, स्कूली बच्चों (आयु वर्ग 10 से 14 वर्ष) के लिए श्री येल्लिंगेश्वर शारदा मंदिर, सस्मोलेम, बायणा में पोषण जागरूकता पर स्कूल आउटरीच कार्यक्रम, सडा और बोगडा मोरमुगाओ में इन लाभार्थियों को नि:शुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर और पोषण और पोषण वितरण पर जागरूकता का आयोजन किया गया। 9 जनवरी 2024 को वास्को में विधायक, सरपंच, पंचायत सदस्यों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति में गरीबी रेखा से नीचे श्रेणी के लोगों को पोषण भोजन के वितरण पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। 1500 एनीमिक महिलाओं और 250 बच्चों को शामिल करते हुए विभिन्न स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 1500 महिलाओं को 3000 पोषण पैक और 250 बच्चों को 500 पोषण पैक का वितरण किया गया।

गवर्नमेंट हाई स्कूल, वाडेम नगर को 4 डिजिटल बोर्ड प्रदान

हमारी शिक्षण प्रणाली तेजी से बदलती जा रही हैं और स्कूली कक्षा में सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए नई शिक्षा सहायता और उपकरण अपनाए जा रहे हैं। आज के डिजिटल युग के छात्र उन कक्षाओं में अधिक रुचि नहीं ले पा रहे हैं, जो तकनीकी रूप से सुसज्जित नहीं हैं।

प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की निष्पक्ष और समान पहुँच आवश्यक है। हमें समय के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है अतःअध्ययन के प्रति वही पुराने दृष्टिकोण अपनाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। हमें प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इन कमियों को दूर करना चाहिए। इंटेलिजेंट इंटरैक्टिव पैनल ठीक यही कर रहा है। यह डिजिटल बोर्ड इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले उपकरण हैं, जो कक्षा में अध्ययन के अनुभव को नया बनाते हैं। यह बहु-आयामी की जानकारी प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। डिजिटल बोर्ड एक विशेष प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले के लिए एक आम शब्द है, जो विभिन्न स्थानों पर जानकारी प्रदर्शित करने के लिए उपयोग किया जाता है। ये छात्रों और शिक्षकों को एक साथ सीखने, टच स्क्रीन तकनीक का उपयोग करके डेटा संपादित करने, शिक्षा सॉफ्टवेयर की खोज करने और ऑनलाइन संसाधनों की सुविधा प्रदान करते हैं।

स्मार्ट बोर्ड अच्छे अध्यापन में सुधार करते हैं और शिक्षकों और छात्रों के बीच स्पष्टता बढ़ाते हैं। सैमसंग इंटरैक्टिव डिस्प्ले जैसे स्मार्ट बोर्ड के साथ, शिक्षक स्क्रीन पर लिखकर या टाईप, हाईलाइट्स, सर्कल, एरो या जूमिंग के साथ कुछ विषयों पर ध्यान आकर्षित करके और वीडियो, वेबपेज, प्रेजेंटेशन और इमेजेस जैसी मल्टीमीडिया सामग्री साझा करके अधिक इंटरेक्टिव पाठ बना सकते हैं। स्मार्ट बोर्ड को कई भागों में भी विभाजित किया जा सकता है, ताकि एक से अधिक छात्र एक साथ इस पर काम कर सकें। दरअसल, स्प्लिट स्क्रीन मॉड का उपयोग करके शिक्षक और छात्र एक साथ दो विंडो देख सकते हैं।

विद्यालय को तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी के साथ उन्नत करने तथा नई उन्नत एवं नवीन शिक्षण तकनीकों से युक्त बनाने के लिए 4 डिजिटल बोर्ड की आवश्यकता है। चूंकि इस विद्यालय में अध्ययनरत छात्र पिछड़े सामाजिक पृष्ठभूमि से हैं। अतः उन्हें तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए गोशिलि ने अपना सहयोग दिया है।

वास्को स्थित, सरकारी हाई स्कूल का नवीकरण

गोवा की समृद्ध विरासत को संरक्षित करते हुए यह स्कूल वास्को में स्थित है। जब हम एक स्कूल के नवीकरण की परियोजना शुरू करते हैं या किसी मौजूदा इमारत के पुनर्निमाण के विषय में सोचते हैं, जिसके द्वारा हम पुरानी इमारतों को पुनर्स्थापित करते हैं जो कि बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये स्मारक हमारे इतिहास का प्रतिबिंब हैं, वे हमें विभिन्न काल के लोगों की अलग-अलग प्रथाओं और परंपराओं को साथ समझने और उनका सम्मान करने में मदद करते हैं। इस प्रकार हम इससे न केवल स्कूल की सुविधाओं को बढ़ाते है, बल्कि साथ-साथ छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को भी सुनिश्चित करना चाहते हैं। यह देखा गया है कि अच्छी तरह से डिजाइन किए गए प्राथमिक विद्यालय पढ़ने, लिखने और गणित में बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ावा देते हैं। ये सुविधाएं हमें, बेहतर सुरक्षा प्रदान करती है तथा स्वस्थ और अधिक कुशल रहने का वातावरण प्रदान करती है। यह प्रतिभाशाली स्टाफ सदस्यों और छात्रों को उसी जगह लंबे समय तक टिके रखने में भी मदद करता है। अच्छा स्कूल भवन, शैक्षणिक सुधार और छात्रों की समग्र भलाई में सुधार के साथ-साथ स्कूल के लिए सर्वोत्तम कर्मचारियों और शिक्षकों को आकर्षित करने और वहीं पर अधिक समय तक जुड़े रखने में मदद करने में महत्वपूर्ण कारक है। जब हम किसी स्कूल का नवीकरण करते हैं, तो यह समाज को अपने भविष्य में निवेश करने और बच्चों के लिए एक सुरक्षित और स्वागत योग्य वातावरण प्रदान करता है। विद्यालय एक विरासत है और इसकी तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि इस शैक्षणिक सत्र में यह बहुत बुरा बरसात का मौसम है। वर्षा ऋतु में कामकाज बुरी तरह प्रभावित होता है क्योंकि इससे छात्र अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। नवीकरण से छात्रों और कर्मचारियों को काफी फायदा होगा, क्योंकि इससे स्कूल में नामांकन बढ़ाने में मदद मिलेगी। यहाँ पर छात्रों की कुल संख्या 130 है और शिक्षण तथा गैर-शिक्षण दोनों में 20 स्टाफ सदस्य हैं। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने अपनी सीएसआर पहल के तहत स्कूल भवन के नवीकरण कार्य के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। सिविल कार्य समारोह का शुभारंभ 01 दिसंबर 2023 को वास्को निर्वाचन क्षेत्र के विधायक श्री कृष्णा वी. सालकर द्वारा किया गया।

वाडेम तालाब की सीढ़ियों की मरम्मत

सीढ़ियों की शीघ्र मरम्मत की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि वे ठोकर का कारण बन सकती हैं। यदि आप सीढ़ियों से ऊपर या नीचे चल रहे हैं और एक सीढ़ी बहुत ऊंची या नीची है तो इससे फिसलन के कारण आसानी से चोट लग सकती है। स्पष्ट है कि इस प्रकार की सीढ़ियों को ठीक करने के लिए शीघ्रता से मरम्मत कार्य करने की आवश्यकता है। जब आप अपना पैर किसी सीढ़ी पर रखते हैं और कुछ दबाव डालते हैं, तो आपको कुछ हलचल महसूस होती है। यदि आपको ऐसा महसूस होता है, तो मरम्मत आवश्यक है और सुनिश्चित करें कि भविष्य में जब आप इस पर कदम रखें तो आप गिरें नहीं। सीढ़ियों की मरम्मत की आवश्यकता का दूसरा कारण चरमराहट और उसमें पडी दरारें है। सीढ़ियों के ख़राब होने के लक्षण ये होते है कि, जब भी आपकी सीढ़ियाँ लकड़ी, धातु या किसी अन्य सामग्री से बनी हों, तो आपको टूट-फूट के संकेतों की जाँच करनी होगी। लकड़ी की सीढ़ी में सड़न या धातु की सीढ़ी में जंग लगने की संभावना रहती है। यदि इसे और खराब होने के लिए छोड़ दिया जाए तो इससे संरचनात्मक क्षति हो सकती है। ऊपर चढ़ते समय आपकी सीढ़ियों में अत्यधिक उभरा होना, यह संकेत देता है कि सीढ़ी को संरचना में कुछ गड़बड़ है। जब आप एक अच्छी तरह से निर्मित और उचित रूप से रखरखाव की गई सीढ़ी पर कदम रखते हैं तो उसमें अत्यधिक उभरा या दबा नहीं दिखना चाहिए। यदि आप इस हलचल को महसूस करते हैं, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपकी सीढ़ियों को बल प्रदान करनेवाली संरचनाएं कमजोर हो गई हैं या क्षतिग्रस्त हो गई हैं और इसलिए इस पर ध्यान देने की जरूरत है। अगर इसकी मरम्मत नहीं की गयी, तो इनकी संरचना और भी बदतर हो सकती हैं और इसे ठीक करना बहुत मुश्किल काम हो सकता है। यह पाया गया कि वाडेम तालाब की सीढ़ियाँ बहुत खराब स्थिति में थीं, जिससे वाडेम और उसके आसपास स्थित स्थानीय समुदाय को समस्या हो रही थी, जिसके परिणामस्वरूप तत्काल मरम्मत या बदलना आवश्यक था। उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, गोशिलि ने वाडेम तालाब की सीढ़ियों की मरम्मत के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की।

गर्म पानी.....ठंडा पानी

स्कूल को सभी सुविधाओं के साथ उन्नत करने और उन्हें सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए, गोशिलि द्वारा गोवा के विभिन्न सरकारी स्कूलों और शहरी स्वास्थ्य केंद्र में गर्म और ठंडे पेयजल फिल्टर की सुविधा प्रदान की गई है। इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि ठंडा पानी पीना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है । ठंडा और कमरे के तापमान वाला पानी दोनों ही आपको हाइड्रेटेड रखते है । हाइड्रेटेड रहना हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है । गर्म पानी पीने के फायदे हैं, जैसे पाचन में मदद करना और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना । कई लोगों को गर्म पानी पीना सुखदायक और फायदेमंद लगता है । गर्म पानी भी हाइड्रेटेड रहने में मदद करता है और यह जकड़न को कम करने, पाचन में सुधार करने, तनाव दूर करने और आपको गर्माहट महसूस करने में भी मदद करता है । गर्म या ठंडा दोनों प्रकार का पानी पीने से हमारा शरीर स्वस्थ और हाइड्रेटेड रहता है । कुछ लोग दावा करते हैं कि गर्म पानी विशेष रूप से पाचन में सुधार, घुटन से राहत और यहां तक कि आराम को बढ़ावा देने में मदद करता है । गर्म पानी से भाप बनती है और यह नाक बंद से राहत दिलाता है । पानी की हल्की भाप बंद साइनस को ढीला करके गहरी सांस लेने में मदद मिलती है और यहां तक कि साइनस से उत्पन्न सिरदर्द से भी राहत मिलती है । यदि साइनस और गले में बलगम या चिपचिपाहट है, तो गर्म पानी पीने से उस अंग को गर्म करने में मदद मिलती है और बलगम बनने के कारण होने वाली गले की खराश से राहत मिल सकती है । साथ ही इससे पाचन में सहायता मिलती है । पानी पीने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है । जैसे ही पानी आपके पेट और आंतों से होकर गुजरता है, शरीर मौजूद को बेहतर ढंग से खत्म करने में सक्षम होता है । कुछ लोगों का मानना है कि गर्म पानी पीना पाचन तंत्र को सक्रिय करने के लिए विशेष रूप से प्रभावी है और इससे कब्ज से राहत दिलाने में मदद मिलती है । निर्जलीकरण कब्ज का एक आम कारण है । नियमित रूप से गर्म पानी पीने से आपके मल त्याग को नियमित रखने में मदद मिल सकती है । पुनर्जलीकरण के लिए ठंडा पानी सबसे अच्छा है, यह किसी भी तापमान पर पानी पीने से आपको हाइड्रेटेड रखने में मदद मिलेगी। तरल पदार्थ पीने से कंपकंपी को कम करने में मदद मिल सकती है। यह परिसंचरण में सुधार करता है और तनाव के स्तर को कम कर सकता है ।

आलेख

भारतीय झंडा संहिता, 2002 में निहित मुख्य दिशा–निर्देश



1. भारत का राष्ट्रीय ध्वज, भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और सबके मन में राष्ट्रीय ध्वज के लिए प्रेम, आदर और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है।

2. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण/प्रयोग/संप्रदर्शन राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित है। भारतीय झंडा संहिता, 2002 में निहित कुछ मुख्य दिशा-निर्देश आम जनता की जानकारी के लिए नीचे सूचीबद्ध हैं:-

(क) भारतीय झंडा संहिता, 2002 को 30 दिसंबर, 2021 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया और पॉलिस्टर के कपड़े से बने एवं मशीन द्वारा निर्मित राष्ट्रीय ध्वज की अनुमति दी गई। अब व्यवस्था है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काते गए और हाथ से बुने हुए या मशीन द्वारा निर्मित, सूती/पॉलिस्टर/ऊनी/सिल्क/खादी के कपड़े से बनाया गया हो।

(ख) जनता का कोई भी व्यक्ति, कोई भी गैर-सरकारी संगठन अथवा कोई भी शिक्षण संस्थान राष्ट्रीय झंडे को सभी दिनों और अवसरों, औपचारिकताओं या अन्य अवसरों पर फहरा/प्रदर्शित कर सकता है, बशर्ते राष्ट्रीय झंडे की मर्यादा और सम्मान का ध्यान रखा जाए।

(ग) भारतीय झंडा संहिता, 2002 को 20 जुलाई, 2022 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया एवं भारतीय झंडा संहिता के भाग-II के पैरा 2.2 की धारा (xi) को निम्नलिखित धारा से प्रतिस्थापित किया गया:-

(i) "जहाँ झंडे का प्रदर्शन खुले में किया जाता है या जनता के किसी व्यक्ति द्वारा घर पर प्रदर्शित किया जाता है, वहां उसे दिन एवं रात में फहराया जा सकता है।"

(घ) राष्ट्रीय झंडे का आकार आयताकार होगा। यह किसी भी आकार का हो सकता है परन्तु झंडे की लंबाई और ऊंचाई (चौड़ाई) का अनुपात 3:2 होगा।

(ङ) जब कभी राष्ट्रीय झंडा फहराया जाये तो उसकी स्थिति सम्मानजनक और पृथक होनी चाहिए।

(च) फटा हुआ और मैला-कुचैला झंडा प्रदर्शित नहीं किया जाए।

(छ) झंडे को किसी अन्य झंडे अथवा झंडो के साथ एक ही ध्वज-दंड से नहीं फहराया जाए।

(ज) संहिता के भाग-III की धारा-IX में उल्लखित गणमान्यों जैसे राष्ट्रपति, उप- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि, के सिवाय झंडे को किसी वाहन पर नहीं फहराया जाएगा।

(झ) किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय झंडे से ऊँचा या उससे ऊपर या उसके बराबर में नहीं लगाना चाहिए।

इस विषय में अधिक जानकारी, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय झंडा संहिता, 2002, गृह मंत्रालय की वेबसाइट www.mha.gov.in पर उपलब्ध हैं।

खुद को साइबर सुरक्षित कैसे बनाएं ?

साइबर अपराध न केवल सरकारों, कॉर्पोरेट क्षेत्र बल्कि हमारे जैसे आम लोगों को भी प्रभावित कर रहे हैं । हमारा महत्वपूर्ण, गुप्त/गोपनीय और व्यक्तिगत डेटा, जानकारी, पहचान, प्रतिष्ठा, संपत्ति आदि खतरे में हैं । हैकर्स/ क्रैकर्स /साइबर चोर/ साइबर आतंकवादी हमारे डेटा, जानकारी, पहचान, प्रतिष्ठा, संपत्ति आदि को हाईजैक करने और उसका दुरुपयोग करने के लिए तैयार हैं । अत: हमें कुछ सावधानियां बरतकर खुद को सुरक्षित रखने की जरूरत है । साइबर वातावरण में हमें निम्नलिखित सावधानियां बरतने की जरूरत है ।



अपना "साइबर सुरक्षा" संकल्प बनाएं–

1. अपने अलग-अलग ऑनलाइन खातों के लिए अलग और सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग करें ।
2. अपने ऑनलाइन खातों के लिए ई-फैक्टर या मल्टी फैक्टर प्रमाणीकरण पर विचार करें ।
3. जिस साइट को आप देख रहे हैं और जानकारी सबमिट करते समय हमेशा उस साइट का यूआरएल जांचें ।
4. सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत/आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा न करें ।
5. ऐसी सेवाओं का उपयोग करने से बचें जिनमें स्थान की जानकारी और जीपीएस निर्देशांक के साथ फ़ोटो पोस्ट करने की आवश्यकता होती है ।
6. कार्यालयीन ई-मेल आईडी का इस्तेमाल केवल कार्यालयीन उद्देश्य के लिए करें और सोशल मीडिया के लिए अलग/व्यक्तिगत ई-मेल अकाउंट का इस्तेमाल करें ताकि कार्यालयीन ई-मेल अकाउंट किसी भी स्पैम और फ़िशिंग से सुरक्षित रहे ।
7. मुफ़्त डाउनलोड करने योग्य सॉफ़्टवेयर से सावधान रहें ।
8. जब आप अपने सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल नहीं कर रहे हों तो उसे लॉग ऑफ करना न भूलें ।
9. किसी अज्ञात स्रोत से प्राप्त किसी भी लिंक पर क्लिक न करें । ये लिंक आपको फ़िशिंग साइट या मैलवेयर डाउनलोड साइट या दुर्भावनापूर्ण साइट पर ले जा सकते हैं ।
10. सिर्फ़ इसलिए कि पता ठीक लग रहा है, यह न मान लें कि यह एक वैध साइट है ।
11. कोई भी ई-मेल खोलने या लिंक पर क्लिक करने से पूर्व भेजनेवाले की पहचान की जांच करें ।
12. हमेशा ईकाई का नाम ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसकी वास्तविकता को सुनिश्चित करें ।
13. अपने ब्राउजर को अद्यतन रखें और उचित सुरक्षा सेटिंग सुनिश्चित करें ।
14. हमेशा ब्राउजिंग किए गए चीजों को और अस्थायी फाइलों को हटाना चाहिए ।
15. ब्राउजिंग सेटिंग में उपयोगकर्ता का नाम और पासवर्ड के लिए बने ऑटो सेव सुविधा को बंद करें।

रेंसमवेयर रोकथाम के लिए सुझाव

1. ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लिकेशन सॉफ्टवेअर और एंटी वायरस सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट रखें, क्योंकि हमला करनेवाले पुराने सॉफ्टवेयर का फायदा उठा सकते है।
2. क्लिक करने से पूर्व समझने का प्रयत्न करें, क्योंकि रेंसमवेयर आमतौर पर फिशिंग ई-मेल में दिखायी देता है।
3. डाउनलोड के लिए केवल सत्यापित और भरोसेमंद साइटों का ही उपयोग करें।
4. अपने महत्वपूर्ण और संवेदनशील डेटा का नियमित रूप से ऑफ लाईन बैक अप लें।
5. माईक्रोसॉफ्ट ऑफिस एप्लिकेशन में एक्टिव एक्स सामग्री बंद करें।
6. बाहरी यूएसबी डिवाइस का उपयोग करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें।
7. सीमित सुविधा युक्त अकाउंट का उपयोग करे और दैनिक उपयोग के लिए एडमिनिस्ट्रेटर का उपयोग करने से बचे।
8. कंप्यूटर से अनावश्यक प्रोग्राम या सेवाएं हटा दें।
9. उन फाईलों या डेटा को हटा दें, जिनकी अब आपको अनाधिकृत पहुँच रोकने की आवश्यकता नहीं है।
10. यदि आपको वायरस या रेंसमवेयर के लैन या कंप्यूटर से किसी असामान्य व्यवहार का संदेह हो जाता है, तो तुरंत कंप्यूटर को लैन (एलएएन) से हटा दें और सभी जुड़े हुए मेमोरी डिवाइस के कनेक्शन को बंद करें और आई टी विभाग को इसकी तुरंत सूचना दे।

ऑनलाइन फॉड का हो गए शिकार... '1930 पर करें कॉल'

पिछले कुछ सालों में भारत में ऑनलाइन पेमेंट में इजाफा हुआ है। यूपीआई आने के बाद हर मोबाइल वालों के पास ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा उपलब्ध है। हालांकि इस दौरान ऑनलाइन फ्रॉड की संख्या भी बढ़ी है, जिसके लिए सरकार ने एक टोल फ्री नंबर जारी किया है, जहाँ ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायत दर्ज की जा सकती है।

केंद्र सरकार ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने के लिए लगातार काम कर रही है। इसके तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से एक टोल फ्री मोबाइल नंबर 155260 जारी किया था, जहाँ कोई भी भारतीय नागरिक बैंक या मोबाइल फ्रॉड होने की शिकायत दर्ज करा सकता था, जिसे सरकार ने अब बदलकर 1930 कर दिया गया है। इस नंबर पर शिकायत करने के बाद पुलिस और एजेंसी तुरंत एक्शन में आती है। साथ ही बैंक को तत्काल प्रभाव से सूचना पहुंचती है और फ्रॉड की रकम को रिकवर कर लिया जाता है।

कैसे करें कॉल

अगर आपके साथ बैंक फ्रॉड हुआ है, तो आपको अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से 1930 पर कॉल करना होगा। ध्यान दें कि शिकायत तभी दर्ज की जाएंगी, जब आप बैंक से लिंक रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से कॉल करेंगे। इसके बाद आपसे आपका नाम, अकाउंट नंबर, कार्ड नंबर, वॉलेट की जानकारी ली जाएगी। इस दौरान आपको पिन नंबर नहीं बताना चाहिए। आपकी सारी डिटेल को संबंधित बैंक को भेजा जाएगा, जहां बैंक फ्रॉड की घटना हुई है। इसके साथ ही आपके फ्रॉड की शिकायत रिजर्व बैंक और पुलिस तक जाएगी। इस सर्विस से यूपीआई पेमेंट ऐप और सभी फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन संस्थाएं लिंक हैं।

किसी भी बैंकिंग लेनदेन को पूरा होने में वक्त लगता है। जब आप यूपीआई पेमेंट या कोई अन्य ऑनलाइन लेनदेन करते हैं, तो आपके अकाउंट से तुरंत पैसे कट जाते हैं, लेकिन एक बैंक से दूसरे बैंक के बीच पैसों के लेनदेन में वक्त लगता है। ऐसे में अगर आप 24 घंटे के भीतर शिकायत दर्ज करते हैं, तो आपके पैसे के लेनदेन को रोककर आपको पैसा वापस किया जा सकता है।

नोट - शिकायत आपको 24 घंटे के भीतर दर्ज करनी होगी। अगर ऐसा करने में नाकाम रहे हैं, तो आप इसके बाद भी नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल यानि www.cybercrime.gov.in पर एप्लीकेशन दर्ज करके शिकायत कर सकते हैं।



आप बीती

जीवन में हमने लोगों को अनेक मुसीबतों का सामना करते देखा और सुना है। जब मुसीबतें आती हैं तो साथ ही साथ उनका सामना करने की अद्‌भुत ताकत भी लाती है । ऐसे कई लोगों की कहानियाँ हम अक्सर किताबों में पढ़ते हैं और एक दूसरे को सुनाते हैं । लेकिन जब खुद पर कोई मुसीबत आ जाती है, तो वह कहानी नहीं बल्कि आप बीती कहलाती है। ऐसी ही एक आप बीती मैं आपके सामने प्रस्तुत करना चाहती हूँ ।

यह घटना सितंबर 2020 की है जब कोरोना का दौर चल रहा था । कोरोना के खौफनाक परिस्थितियों का सामना हर गाँव, हर शहर और विश्व भर में हो रहा था। बचपन से लेकर अब तक हमने कई बीमारियों के बारे में सुना था, परंतु कोरोना के अस्तित्व और उसके उपचार के बारे में किसी को पता नहीं था। सोशल मीडिया इस समय बहुत ही लाभदायी साबित हुई। सोशल मीडिया द्वारा सरकार कोरोना के बारे में जनजागृति की कोशिश कर रही थी, परंतु उसे कोई सफलता नहीं मिल पा रही थी। लाख कोशिशों के बावजूद कोरोना खत्म होने का नाम भी नहीं ले रहा था। हर घर का सदस्य इसके लपेटे में आ रहा था ।

हमारे घर की हालत भी कोई अच्छी नहीं थी । हमारे घर में कुल नौ सदस्य थे और सात सदस्य कोरोना के शिकार हो चुके थे । कोरोना की शुरुआत मेरे देवरजी से हुई, जिसे किसी कारणवश प्रतिकूल परिस्थितियों में कोरोना का शिकार होना पड़ा । हालांकि हमारे घर के सदस्यों में, वही कोरोना से ज्यादा स्वयं के प्रति सावधान रहता था खुद की खबरदारी लेता था । मेरे बच्चों को भी घर से बाहर निकलने के लिए मना करता था । धीरे-धीरे उसे बुखार आना शुरू हुआ । बुखार आना यह आम बात थी, परंतु जब आठ दिनों तक बुखार उतरने का नाम ही नहीं ले रहा था, तो हमें थोड़ा खतरा महसूस हुआ । आठ दिन के बाद डॉक्टर ने देवर को खून की जाँच कराने को कहा । हैरानी की बात यह है कि खून की जाँच में उसे निमोनिया होने की बात सामने आयी । इसके कारण उसे गोवा मेडिकल कॉलेज में तुरंत दाखिल किया गया । उसके तुरंत चार दिन बाद घर के सभी सदस्यों ने अपनी जाँच करायी और सभी की रिपोर्ट निगेटिव आयी । इसी दौरान हमारे ससुरजी शौचालय जाते वक्त गिर गए, परंतु उन्हें कोई बाहरी चोट नहीं आई तथा उल्टी भी नहीं आयी फिर भी हमें ऐसा लगा कि उनकी तबीयत चिंताजनक है । उस समय का दौर इतना भयानक था कि अस्पतालों में लोगों की संख्या दिन-प्रति-दिन बढ़ती ही जा रही थी । एम्बुलेन्स भी इतनी व्यस्त थी कि बुलाने पर एक या दो घंटे बाद आती थी । ऐसी परिस्थितियों में मेरे ससुरजी का गिरना कोई शुभ संकेत नहीं था । परंतु हमने इस पर ज्यादा गौर नहीं किया । चार दिन बाद फिर दोबारा ऐसी घटना हुई । इसी दौरान हमारे घर के सभी सदस्यों को खाँसी और बुखार ने जकड़ लिया और सभी सदस्यों को काफी कमजोरी आ चुकी थी । एक बार फिर हमने कोरोना की जाँच की । हम सभी ने ससुरजी के साथ डिस्ट्रिक्ट अस्पताल, मडगांव जाकर अपनी अपनी जाँच करवाई । हमारे ससुरजी चलकर हमारे साथ आए । आश्चर्य की बात यह है कि हमारे घर के नौ सदस्यों में से सात सदस्यों को कोरोना हुआ था । मेरा बड़ा बेटा और देवरजी की बेटी को कोरोना नहीं हुआ । हालांकि मेरे देवर के अस्पताल जाने के बाद मेरे दोनों बेटे और देवर की बेटी एक साथ रहते थे । अब हमारी भाग दौड़ शुरू हुई। घर के सभी सदस्यों ने शिरोडा – कोविड केयर सेंटर में जाने का निर्णय लिया । परंतु जाते समय मेरे ससुरजी की तबीयत अचानक बिगड़ गई । वह खुद को संभाल नहीं पा रहे थे । उन्हें उठने बैठने को नहीं हो पा रहा था । मेरे पति और मेरा बेटा उन्हें ऐसी हालत में शिरोडा कोविड केयर सेंटर लेकर आए । परंतु धीरे-धीरे उनकी ऑक्सीजन की मात्रा कम होती गयी और उनकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ने लगी । ऐसी स्थिति में उन्हें गोवा मेडिकल कॉलेज, बांबोलीम में लेकर जाना हमने उचित समझा । उनके साथ मेरा छोटा बेटा निहाल केयर टेकर बनकर चला गया । मेरे बेटे से उनकी देखभाल ठीक तरह से हो पायेगी या नहीं यह परेशानी मुझे बार-बार सताती थी । शिरोडा पहुँचने तक खाँसी की वजह से मेरी तबीयत बहुत खराब हो चुकी थी और थकावट भी बहुत ज्यादा थी । हमारे घर के सदस्य चारों ओर

बिखर गए थे। मेरा बड़ा बेटा शाहीन और देवरजी की बेटी उर्वी को घर में ही रहना पड़ा क्योंकि उन्हें कोरोना नहीं हुआ था। मैं, मेरी सास और मेरे पति शिरोडा – कोविड केयर सेंटर में चले गए, मेरे ससुर और मेरा छोटा बेटा गोवा मेडिकल कॉलेज बांबोलीम में और मेरे देवर और देवरानी गोवा मेडिकल क़ॉलेज बांबोलीम में पहले से चले गए थे। मेरे ससुर जी की तबीयत दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही थी। उनकी तबीयत में सुधार नहीं हो रहा था और धीरे-धीरे उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ती चली गई और फिर एक दिन उनकी मौत हो गई। यह दुखद समाचार मुझे शिरोडा में मिला। तभी हमें कुल नौ दिन हुआ था और हर कोरोना के मरीज को दसवें दिन घर भेजने का उनका कायदा था। मैंने मेरी सास से यह बात छुपाई, क्योंकि उन्हें बहुत ज्यादा सदमा पहुँचने का खतरा था। दूसरे दिन सुबह दस दिन पूरा करके हम वापस घर चले गए। मेरे ससुरजी की मौत इस तरीके से हुई यह देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। ना ही किसी को उन्हें देखने की इजाजत थी, ना ही अंतिम संस्कार के दिन किसी को उनके सामने जाने का मौका मिला। मेरे पति यानि मेरे ससुर का बड़ा बेटा उस समय अस्पताल में होने के कारण मेरे ससुर की अंतविधि उनके छोटे बेटे ने किया। अंतविधि के पूरे दस दिनों के बाद मेरा छोटा बेटा घर आया। एक डर मन में बैठ गया था कि मेरे बेटे का अस्पताल में रहने की वजह से पूरा इलाज नहीं हो पा रहा था। इस तरह ससुरजी के इंतकाल के समय मेरे पति को छोड़कर बाकी सारे लोग घर पहुँच चुके थे। मेरे पति को उनके पिता के देहांत की खबर पहले ही मिल चुकी थी और बड़ी समझदारी से उन्होंने इस बात को स्वीकार भी कर लिया था। वैसे भी मेरे पति बड़े समझदार हैं और वास्तविकता को स्वीकार करना भी जानते हैं। अतः उन्होंने इस वास्तविकता को स्वीकार कर लिया था। दस दिन के बाद मेरे पति घर चले आए। फिर से हमारे घर के सारे लोग एकसाथ जुट गए। घर में आने के बाद हमें कई मुसीबतों का सामना करना पड़ा जैसे कि हमें बहुत थकावट महसूस हो रही थी, काम करने को बेजार आ रहा था, खाना खाने का मन नहीं कर रहा था और इसकी वजह थी कोरोना और हमारे ससुरजी की मौत। हमें बहुत दिन तक हमारी बुआ ने खाना पहुँचाया परंतु फिर हमने मिलकर यह फैसला किया कि हम घर में ऑर्डर का खाना मंगायेंगे। इस तरह सुबह, दोपहर और फिर रात के समय हमें घर में खाना पहुँच जाता था। हमारे ससुरजी के देहांत को अभी आठ दिन हो गए थे। आठ दिन के बाद हमारे ससुर के दसवें दिन, ग्यारहवें दिन और बारहवें दिन का खाना हमने घर में ही बनाया। थकावट होने के बावजूद हमने ससुरजी के देहांत की विधि में कोई कसर नहीं छोड़ी। धीरे-धीरे हम सभी की तबीयत में सुधार होते नजर आ रही थी और थकावट भी पूरी तरह से गायब हो चुकी थी। तभी हमने फिर दफ्तर जाने का मन में सोचा और अगले दिन से दफ्तर के लिए निकल पड़े। इस तरीके से हमारा यह वनवास पूरी तरह से तब खत्म हो गया जब हमने दफ्तर जाना शुरू किया। दोस्तों, इस अवसर पर मैं एक बात कहना चाहूँगी कि चाहे कोई भी मुसीबत आए उसका डटकर सामना करना जरूरी है। हर इंसान मुसीबतों से घिरा रहता है, परंतु मुसीबतों से खेलकर जो इंसान आगे बढ़ता है अंत में जीत उसी की होती है।

स्वाति दुर्गादास सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन

गोवा के मंदिर

गोवा में घूमने के लिए बहुत समुंदर तट हैं पर गोवा का असली खजाना यहाँ के मंदिर हैं। कोंकणी भाषा में मंदिर को 'देवूळ' कहते हैं। गोवा के मंदिरों में मुख्य तौर पर सभा मंडप, चौक, गर्भगृह, प्रदक्षिणा मार्ग आदि देखने को मिलता है, कई मंदिरों के सामने तालाब, दीपस्तंभ और भव्य प्रवेश द्वार होता है। गोवा के कई खास मंदिरो में से एक है - चंद्रेश्वर पर्वत पर स्थित श्री चंद्रनाथ का मंदिर। 17वीं सदी में स्थापित यह मंदिर 350 मीटर की ऊँचाई पर स्थित और भगवान शिव को समर्पित है। चंद्रेश्वर पर्वत की जैव विविधता वास्तव में समृद्ध है और यहाँ अनेक औषधीय जड़ी-बूटियां पाई जाती है।

श्री चंद्रनाथ मंदिर की विशेषता है कि यह एक स्वयंभूलिंग है और पूरा गर्भगृह जो कि एक ही चट्टान से बनाया गया है। गर्भगृह में मुख्य देवता श्री चंद्रनाथ के साथ पंचायतन देवता श्री गणपति, श्री विष्णु, देवी नवदुर्गा और देवी महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। मंदिर के बगल मे श्री भूतनाथ का मंदिर है। विषेश बात है कि दोनों मूर्तियाँ अपने-अपने गर्भगृह से एक दूसरे को देख सकती है। पर्वत से नीचे उतरते हुए काल भैरव और सिद्ध भैरव के दो छोटे मंदिर हैं एवं एक जल कमंडल है। इस पवित्र जल का उपयोग अभिषेक के लिए किया जाता है।

कादम्बिनी प्रियेश नाईक
पी. एंड पीसी

सत्यनिष्ठा की संस्कृति से देश की समृद्धि



सत्यनिष्ठा एक ऐसा गुण है जो किसी समाज या राष्ट्र की नींव को मजबूत करता है। जब नागरिक, नेता और संस्थाएं ईमानदारी और सच्चाई का पालन करते हैं, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन को बल्कि पूरे राष्ट्र को भी समृद्धि की ओर ले जाते हैं। सत्यनिष्ठा की संस्कृति किसी देश के आर्थिक, सामाजिक और नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सत्यनिष्ठा का महत्व

सत्यनिष्ठा एक ऐसा गुण है जो नैतिकता और आदर्शों पर आधारित होता है। यह जीवन में सच्चाई, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता को अपनाने की प्रेरणा देता है। जब कोई समाज सत्यनिष्ठा को अपनी संस्कृति का हिस्सा बनाता है, तो वह समाज विश्वास, सम्मान और स्थिरता की ओर बढ़ता है।

सत्यनिष्ठा से देश की समृद्धि का आधार

आर्थिक विकास :

जब सरकारी और निजी क्षेत्र में सत्यनिष्ठा का पालन किया जाता है, तो भ्रष्टाचार खत्म होता है। इससे संसाधनों का सही उपयोग होता है और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है, जिससे विकास के लिए धन का उपयोग ईमानदारी से किया जाता है।

सामाजिक समरसता :

सत्यनिष्ठा की संस्कृति समाज में विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ावा देती है। इससे सभी समुदायों के बीच भाईचारा और सफलता स्थापित होती है जो सामाजिक समृद्धि का आधार है । सामाजिक समरसता बनाने के लिए हमें लोगों को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करना होगा, जिससे कि लोग अपने अधिकार का प्रयोग कर समाज में अपनी पहचान बना सकेंगे और समाज में समानता पा सकेंगे ।

शासन में पारदर्शिता :

जब नेता और सरकारी अधिकारी सत्यनिष्ठा से कार्य करते हैं तो जनता का शासन पर विश्वास बढ़ता है । इससे नीतियों का बेहतर कार्यान्वयन होता है और विकास की गति में तेजी आती है।

नैतिक मूल्यों का संरक्षण

सत्यनिष्ठा की संस्कृति से समाज में नैतिक मूल्यों का प्रचार होता है । यह युवा पीढ़ी की एक मजबूत और सशक्त भविष्य के लिए तैयार करता है जिससे भारत का भविष्य में विश्व स्तर पर नाम हो सकता है और भारत विश्व गुरु बन सकता है ।

सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के उपाय

बच्चों और युवाओं को बचपन से ही सत्य और ईमानदारी का पाठ पढ़ाना चाहिए ताकि युवावस्था तक इस बात को समझ जाए और दूसरों को भी समझा सके।

प्रेरणादायक नेतृत्व :

अच्छे प्रसिद्ध व्यक्तियों और नेताओं के आचरण और कार्यों का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए जिससे कि वो अपना नैतिक आधार बना सके और अपने भविष्य का मार्गदर्शन कर सके।

कठोर कानून :

भ्रष्टाचार और अन्य अनैतिक कार्यों के खिलाफ सख्त कानून लागू किए जाने चाहिए, ताकि लोग और कर्मचारी कोई भी भ्रष्टाचार करने से पहले इस कानून पर विचार करे।

निष्कर्ष :

सत्यनिष्ठा की संस्कृति किसी भी देश के लिए अमूल्य धरोहर है । यह न केवल समाज को नैतिक रूप से स्वतंत्र बनाती है, बल्कि देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से भी समृद्ध करती है। यदि हम सत्यनिष्ठा को अपने जीवन और समाज का अभिन्न हिस्सा बना लें, तो भारत न केवल एक सशक्त राष्ट्र बनेगा, बल्कि एक आदर्श वैश्विक नेतृत्व भी करेगा।

रोहित कुमार
सिविल विभाग

काव्यांजलि



कहानी एक परी की

यह कहानी एक परी की,
जग में आई, बनकर वह बेटी
माँ-बाप की राजकुमारी,
भाई-बहन की थी वो दुलारी,
सुंदरता की वो मूरत थी
ज्ञान की भी थी वो धनी
यह कहानी एक परी की, यह कहानी एक परी की ।

बचपन बीता, यौवन आया,
एक राजकुंवर की प्रीत वो लाया,
दुनिया से लड़े, बागी भी बने वो
साथ निभाने की कसमें भी खाई
कड़ा संघर्ष और कठिन परिश्रम से,
दोनों ने, एक संसार बनाया
उनकी एक बेटी भी आई,
पढ़ा लिखाकर कर दी उसकी विदाई ।
यह कहानी एक परी की, यह कहानी एक परी की ।

फिर एक दिन ऐसा भी आया
कोई बीमारी उसको आई
फिर वह उठकर चल ना पाई
राजकुँवर ने हिम्मत ना हारी
खाई थी वो कसम निभाई ।
यह कहानी एक परी की,
यह कहानी एक परी की, यह कहानी एक परी की ।

सेवा में परी की उसने,
जीवन का हर पल बिसराया,
उस परी का ढाँढस बंधवाया,
और फिर एक दिन ऐसा भी आया,
परीलोक से न्यौता आया,
ईश्वर ने ही उसे बुलाया,
जीवन का सपना भी टूटा,
राजकुंवर का साथ भी छूटा ।

परीलोक की सबसे प्यारी,
अब वही परी थी, वही परी थी,
और कोई दूजी ना थी वो,
वो परी थी, मेरी ही माई ।
वो परी थी, मेरी ही माई ।
यह कहानी एक परी की, यह कहानी एक परी की
खत्म कहानी हुई परी की ।

निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन

काव्यांजलि:



भारत की एकता

भारत की भूमि, विविधताओं से भरी,
रंग-बिरंगे रूप, आस्थाओं से गहरी !
उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम की छांव,
मिलजुल कर जीते हैं, हम सब एक रूप में संग !

विभाजन का दर्द, इतिहास में समाया,
लेकिन एकता का सूरज कभी नहीं मुरझाया।
भिन्न-भिन्न भाषा, धर्म और संस्कृति का मेल,
हम सभी का उद्देश्य एक, बढ़ाना देश का खेल ।

हर प्रदेश, हर जाति, हर व्यक्ति की आवाज़,
कभी न हो दूरियां, हम सबका हो एक साथ राज ।
एक धारा में बहे, हर विचार, हर दिल,
भारत की एकता है, हमारी सबसे बड़ी शक्ति अनमोल और बिल्कुल सच ।

विविधता में है, हम सभी की शक्ति,
हमारे संघ का है यही सच्चा राग ।
भारत की एकता, उसे बनाए सशक्त,
सभी के दिलों में बसी, यही हो हर भारतवासी का राग ।

अमित रविन्द्रनाथ यादव
शिपराईट



कितना सुंदर कितना प्यारा

कितना सुंदर कितना प्यारा
यह पेड़ और जंगल हमारा,
तेज धूप से बचाते हैं,
मुफ्त में फल देते हैं,
पक्षी घोंसले बनाते हैं,
और तेज बारिश से बचाते हैं,
जीवन का आधार ये हमारा
यह सृष्टि को चलाते हैं,
फिर भी मनुष्य इस पर कुल्हाड़ी क्यों चलाते हैं?
आओ हम भी पेड़ लगाएँगे,
संसार को फिर से हरा भरा बनाएंगे,
यही है संकल्प हमारा, आगे बढ़ते जाएंगे।

फेल्डन सिल्वेरा
लेखा परीक्षा



मैं बादल हूँ

ना चांदनी है, ना रोशनी है, ना हवाओं की सदाएँ है
चारों ओर बस सन्नाटे ही सन्नाटे हैं
फिर अचानक से एक बादल मुझ से बात करने लगा
और कुछ सवाल करने लगा
तुम वही हो ना जो समंदर पे, हवाओं पे, चांदनी पे, नदियों पे,
फूलों पे यहाँ तक कि पहाड़ों पे भी कुछ ना कुछ लिखते रहते हो
हमारी क्या खता है कि हमें देख कर भी अनदेखा करते हो ?
और मुझ से ये भी कहने लगा
क्या तुम्हें पता है हम तुम्हारा इंतजार सुबह शाम किया करते हैं
जब तुम चाँदनी की रातों में छत पे आया करते हो
अपने साथ कुछ कागज और कलम लाया करते हो
तुम्हें अंदाजा है क्या हम कितने खुश हुआ करते हैं
जब तुम अपने कलम को कागज़ पे चलाया करते हो
कायनात की हर चीज पे करते हो
बस तुम हम से ही क्यूँ दगा करते हो ?
शायद तुम हमको पहचान लोगे, हमारी शक्शियत को जान लोगे
हमपर भी कुछ लिख दोगे
ये सोच के हम अक्सर तुम्हारा और चाँद के दरमियाना आ जाया करते हैं
लेकिन तुमको तो हमारी परवाह ही नहीं
तुमको तो बस हमारे अलावा हर चीज़ पे लिखना है
इतना कह के वो बादल चुप हो गया
और मैं कहने लगा
चलो मैं लिख देता हूँ पर मेरा एक काम करना पड़ेगा
उसने पूछा क्या करना है ?
और मैंने कहा – तुमको मैं जब कहूँ बरसना होगा
वो कहने लगा बस इतना ही समझो तुम्हारा काम हो गया
मैं लौट के आने तक मेरा काम कर देना
बस इतना कहके वो बादल चला गया
और मैं लिखने लगा
हाँ मैं बादल हूँ
किसी के आँखों का काजल हूँ
बरसना अदा है मेरी
बारिशों में गूँजती है वो सदा है मेरी
जिसे हर कोई पहचाने वो पहली बारिश की खुशबू हूँ
सारे आसमान का सैर कर लेता हूँ
कभी पहाड़ों से लिपट लेता हूँ
कभी हवाओं के संग चला जाता हूँ
जब चाहे बरस लेता हूँ
गंदा और नमक भरा पानी भी पी लेता हूँ
और पाक बनके बरसता हूँ
हाँ मैं बादल हूँ
जी हाँ मैं बादल हूँ ।

रफी शेख
मानव संसाधन एवं प्रशासन



गुरु

संस्कारों से सींचा हमें,
सही गलत का पाठ पढ़ाया ।
कभी डाँट तो कभी प्यार बरसाकर,
माँ पहला गुरु तो तुम्हें ही पाया ।।

मिट्टी के गोले थे हम,
आकार तो तुमने ही दिया ।
धन्य है हम सभी छात्र,
गुरु के रूप में आप सभी शिक्षकों को पाया ॥

ज्ञान का दिया जलाकर,
अंधेरों से रोशनी तक पहुँचाया ।
क्या हम कभी कर पाएँगे इस जनम,
आप गुरुओं का शुक्रिया ।।

कभी हौसला तो कभी हिम्मत बनकर,
आपने ही तो हमें आगे बढ़ाया ।
आज जो पौधा देख रहे हैं आप,
आप ने ही तो बोया हुआ बीज ही तो पाया ।।

कैसे भूलें उन इंसानों को,
जो कुछ ना कुछ सिखाकर चले गए ।
मेरी जिंदगी में गुरु से कम न थे वो,
जो मुझे जीने के मायने सिखाकर चले गए ।।

स्मिता कौशेश वैज़
मानव संसाधन एवं प्रशासन



दोस्ती...

दोस्तों की महफिल में बैठे,

हम सारे गम भुला गए।

गिरते थे जो हम, हाथ पकड़ संभलना सिखा गए।

वह दोस्त ही तो थे, जो हमें जीना सिखा गए।

पार्टी तो देते थे अपने नाम से, पर बिल हमारे नाम के पकड़ा गए।

लगी जो चोट मुझे कभी, दर्द उनको होता था।

रोता हूँ जो मैं कभी, उनकी आँखों से आँसू बहते था।

ये दोस्त ही तो हैं, जो हमको गमों में हंसना सिखा गए।

सौगत कुमार पालित
मानव संसाधन एवं प्रशासन

हिंदी पखवाड़ा 2024 की झलकियां



अखिल गोवा राज्यस्तरीय स्कूली बच्चों के लिए **हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता**



अखिल गोवा राज्यस्तरीय स्कूली बच्चों के लिए **हिंदी भाषण प्रतियोगिता**



गोशिलि कर्मचारियों एवं केऔसुब के बच्चों के लिए **सामान्य हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता**



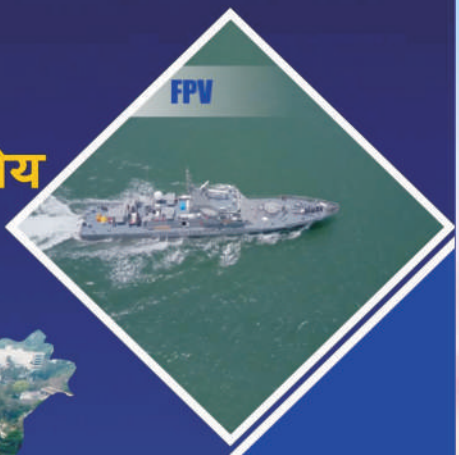
अखिल गोवा राज्यस्तरीय सरकारी कार्यालयों/ बैंकों/निगमों के लिए **हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता**

हर काम देश के नाम

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

उत्कृष्टता के प्रति कृतसंकल्प

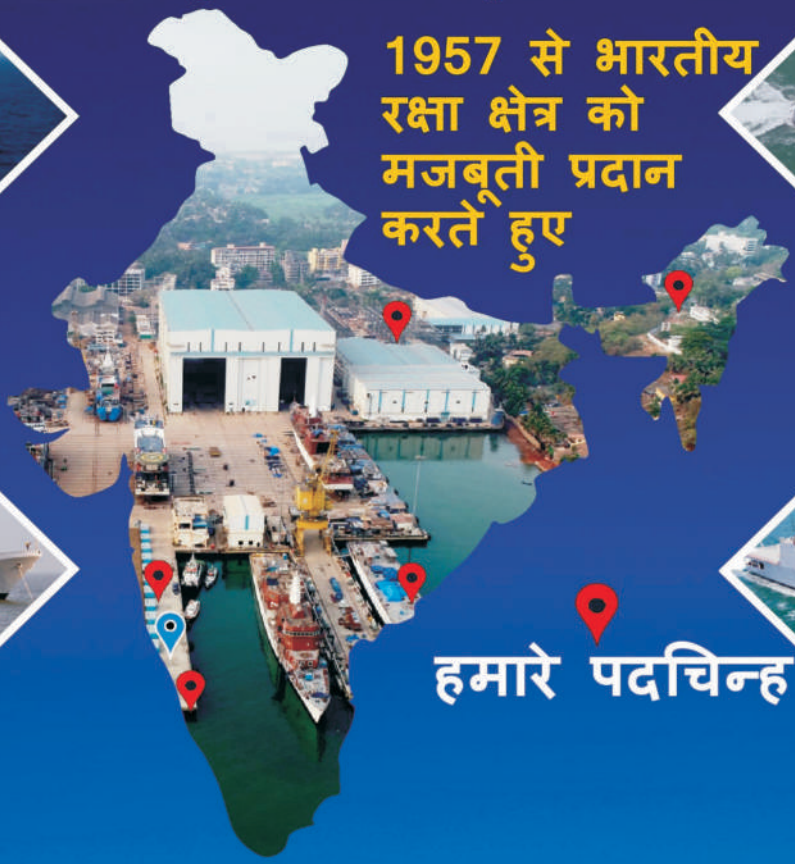








1957 से भारतीय रक्षा क्षेत्र को मजबूती प्रदान करते हुए



हमारे पदचिन्ह

उत्पाद विवरण



















प्रमाणन

ISO 14001: 2015 Certified by IRQS — MGMT. SYS. RvA C 071

ISO 9001:2015 Certified by IRQS — MGMT. SYS. RvA C 071

ISO 9001:2015 Certified by IRQS — NABCB QM 006

ISO 45001:2018 Certified by IRQS — NABCB OHSMS 007

ISO 14001: 2015 Certified by IRQS — NABCB EM 005

CRISIL CREDIT RATING
Long - Term "AAA"
Short - Term "A1+"

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

(रक्षा मंत्रालय का उत्कृष्ट निष्पादित शिपयार्ड)

संपर्क करें :- fpg_office@goashipyard.com, contactus@goashipyard.com

www.goashipyard.in goashipyardltd GoaShipyardLtd